हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 33 देहरादून, शनिवार, 22 जुलाई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

गढ़वाल एवं कुमाऊँ दोनों मंडलों में आयोजित होगा युवा महोत्सव 3

देहरादून में गरजेगा बुलडोजर, हटाए जाएंगे अवैध कब्जे, एक्शन में धामी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 22 जुलाई : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेशभर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चल रहा है। सरकारी जमीनों से अवैध कब्जे हटाए जा रहे हैं। देहरादून के विकासनगर क्षेत्र में भी शक्ति नहर के किनारे से अतिक्रमण हटाया जाएगा। उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यूजेवीएनएल) प्रशासन ने इसकी तैयारी कर ली है। यूजेवीएनएल ने यहां से पहले चरण में 600 अवैध कब्जे हटाए थे, लेकिन अभी भी यहां 150 अवैध कब्जे व अतिक्रमण हैं,

जिन्हें जल्द धराशायी किया जाएगा। निगम के अधिकारियों ने कब्जे चिह्नीकरण का कार्य तेज कर दिया है। चिन्हीकरण का काम पूरा होते ही निगम प्रशासन कब्जा करने वालों को नोटिस देकर आगे की कार्रवाई शुरू कर देगा। बता दें कि डाकपत्थर से कुल्हाल तक शक्ति नहर पावर चैनल के किनारे सैकड़ों की संख्या में अवैध कब्जे थे। सिंचाई से यूजेवीएनएल को जमीन हस्तांतरित होने के बाद निगम प्रशासन को सोलर प्लांट के लिए यहां खाली जमीन चाहिए थी।

इसे देखते हुए निगम ने पहले चरण में डाकपत्थर से ढालीपुर तक अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान करीब 600 अवैध कब्जे हटाए गए। हालांकि खाली जमीन पर कुछ लोगों ने दोबारा कब्जा करने की कोशिश की, जिनके खिलाफ कोतवाली में केस दर्ज कराया गया। अब निगम प्रशासन यहां अतिक्रमण के खिलाफ दूसरे चरण का अभियान शुरू करने जा रहा है। खाली हुई जमीन पर सोलर प्लांट लगाने के लिए कंपनी को ऑर्डर दे दिया गया है। dehradun bulldozer action के बाद छह माह में यहां पर सोलर प्लांट लगा दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने हरिद्वार में जलभराव की स्थिति की समीक्षा की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 22 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने डामकोठी में जनपद हरिद्वार में हुये जलभराव के सम्बन्ध में राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने उच्चाधिकारियों के साथ इस सम्बन्ध में विचार-विमर्श कर निरंतर स्थिति पर नजर रखने को कहा। मुख्यमंत्री ने बैठक में पेयजल, स्वास्थ्य, संचार, विद्युत आदि व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा निर्देश दिये कि जल भराव वाले क्षेत्रों में सभी व्यवस्थायें सामान्य रूप से संचालित हों, यह सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने जलभराव की वजह से फसलों को हुये नुकसान का आकलन करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान किये जाने पर भी ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल भराव के कारण पशुओं के लिये चारा आदि की पर्याप्त व्यवस्था की जाय तथा चारे का पर्याप्त स्टॉक भी रखा जाये।बैठक में अतिक्रमण की वजह से भी कई जगह हुये जलभराव के सम्बन्ध में विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इस पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जहां पर भी अतिक्रमण की वजह से दिक्कतें सामने आ रही हैं, आपदा के अन्तर्गत उससे सख्ती से निपटा जाये।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बैठक में जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने विगत दिनों जनपद के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में कुल कितनी बरसात हुई, जिसके कारण जल भराव की स्थिति पैदा हुई, के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि लक्सर, रूड़की आदि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव के कार्यों में एसडीआरएफ, जल पुलिस, राजस्व, फायर ब्रिगेट, पुलिस, विभागीय टीम तथा स्वैच्छिक संगठनों सहित 579 सदस्यों की कुल 34 टीमें निरन्तर कार्य कर रही हैं तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग, स्थानीय निकाय, पंचायती राज विभाग द्वारा इन प्रभावित क्षेत्रों में महामारी फैलने से बचाव हेतु बड़े पैमाने पर कीट नाशक का छिड़काव किया जा रहा है, जो हमारे लिये चुनौती भी है। दवाओं का प्रोक्यूरमेंट हमने कर दिया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित संवेदनशील क्षेत्रों में राहत किट, भोजन आदि वितरित किये जा रहे हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री को रूड़की विधायक प्रदीप बत्रा, भगवानपुर विधायक ममता राकेश, लक्सर विधायक शहजाद, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, पूर्व विधायक लक्सर संजय गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चैधरी, भाजपा रूड़की जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति आदि ने अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति से अवगत कराया। इस अवसर पर हरिद्वार नगर विधायक मदन कौशिक, पूर्व कैबिनेट मंत्री यतीश्वरानन्द, भाजपा जिला अध्यक्ष हरिद्वार संदीप गोयल, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ0 जयपाल सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन, उपाध्यक्ष एचआरडीए अंशुल सिंह, अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) बीर सिंह बुदियाल सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ समीक्षा के बाद अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जनपद हरिद्वार में जिन-जिन क्षेत्रों में भी विगत दिनों में भारी वर्षा से जलभराव हुआ है या बाढ़ आयी है, को आपदा क्षेत्र घोषित किया जायेगा। आपदाग्रस्त क्षेत्रों में आगामी तीन माह तक विद्युत, जल, अन्य सरकारी देय एवं ऋणों की वसूली को स्थगित रखा जायेगा। आपदाग्रस्त क्षेत्रों में सघनता से तीव्रता से व्यापक सर्वेक्षण कराकर मानकानुसार तत्काल राहत राशि का वितरण सुनिश्चित कराया जायेगा।

भविष्य में इस प्रकार की आपदा की पुनरावृत्ति रोकने एवं बचाव के लिए बाढ़ प्रबन्धन योजना पर कार्य किया जायेगा। जिसमें जल निकासी की व्यापक योजना तैयार कर कार्य कराना जाना एवं आवश्यकतानुसार छोटे पुलियों का निर्माण कराया जाना सम्मिलित है।भविष्य में बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए नदियों के चैनेलाईज कराने का कार्य कराये जाने के कदम उठाये जायेंगे।आपदाग्रस्त क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार स्थायी बाढ़ राहत केन्द्रों का निर्माण कराया जायेगा

क्या आप जानते हैं कैसी होती है मसूरी में IAS अफसरों की ट्रेनिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 जुलाई , यूपीएससी परीक्षा क्रैक करने में कई उम्मीदवारों को सालों लग जाते हैं. इस परीक्षा को क्रैक करने वाले सिविल सर्वेंट के हांथों में अहम जिम्मेदारी आ जाती है. यही वजह है कि इन कामयाब उम्मीदवारों को एक बेहद सख्त ट्रेनिंग से गुजरना पड़ता है. उत्तराखंड में मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन यानी (LBSNAA) में IAS की ट्रैनिंग होती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कैसे होती है एक आम युवा से ख़ास ब्यूरोक्रेट बनने की स्पेशल ट्रेनिंग ? तो चलिए हम आपको बताते है।

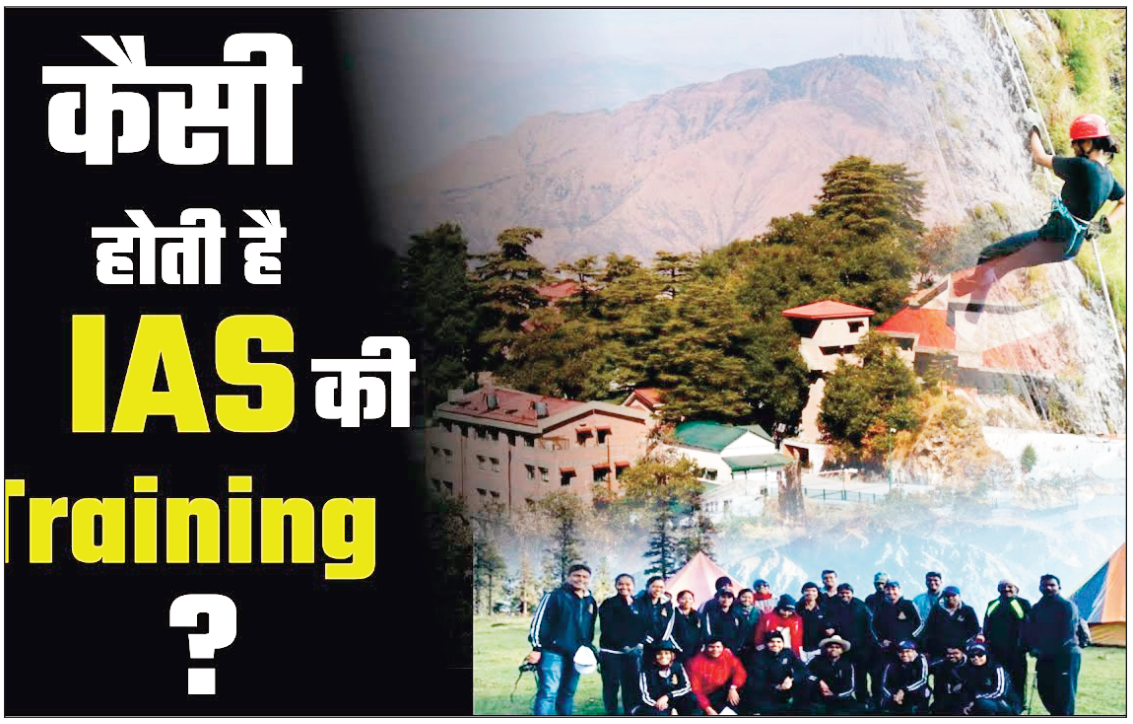

कहां होती है आईएएस की ट्रेनिंग –

मसूरी के लाल बहादूर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन में कैंडिडेट्स को बेसिक एडमिनिस्ट्रेटिव स्किल्स सिखाए जाते हैं. यहां आने वाले सभी कैंडिडेट्स अपने प्रोफाइल पर यहां की यादें जरूर साझा करते हैं. सिविल सर्विस परीक्षा क्रैक करने के बाद सभी की एक समान ट्रेनिंग यहां होती है. LBSNAA में ट्रेनिंग के लिए आने वाले कैंडिडेट्स को फिजिकल फिटनेस से लेकर मेंटल हेल्थ मजबूत कराया जाता है. यहां ट्रेनिंग के दौरान हिमालय ट्रैक्रिंग भी कराई जाती है. हर ट्रेनी को इसमें शामिल होना होता है. इसके अलावा रूरल डेवलपमेंट, एग्रीकल्चर और इंडस्ट्री डेवलपमेंट की ट्रेनिंग होती है. यहां सभी को ऑफिसर रैंक मिलने से पहले सभी क्षेत्र में सक्षम बनाया जाता है.

सीखनी पड़ती है नई भाषा

यूपीएससी सिविल सर्विस फाइनल रिजल्ट जारी होने के बाद कैंडिडेट्स को लिखित परीक्षा और इंटरव्यू राउंड से मिलने वाले मार्क्स के आधार पर रैंक मिलता है. इन्हीं रैंक के हिसाब से उन्हें, IAS, IPS या IFS के लिए सेलेक्ट किया जाता है. रैंक के अनुसार, ही कैंडिडेट्स को कैडर अलॉट होता है. मसूरी के LBSNAA में ट्रेनिंग होने के बाद ऑफिसर्स को उनके कैडर स्टेट में भेजा जाता है.

ऐसे में स्टेट में सही से काम कर सकें इसके लिए सभी ट्रेनी को स्थानिय भाषा भी सीखनी पड़ती है. भाषा की जानकारी होने के बाद कैंडिडेट्स को फिर मसूरी आना होता है और लास्ट में उन्हें ज्वॉइनिंग मिलती है.तो अब उम्मीद है आपको पता चल गया होगा कि की एक अफसर बनने के लिए क्यों मसूरी की इस अकादमी में भी किसी भी कैडेट के लिए टॉपर बनना क्यों ज़रूरी है।

इस सरकारी स्कूल को क्यों कहते हैं IAS-IPS की फैक्ट्री ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 जुलाई , अक्सर एक बहस छिड़ी रहती है कि प्राइवेट स्कूल अच्छे हैं या फिर सरकारी स्कूल. हालांकि, जब भी प्रतिष्ठित स्कूलों की बात होती है, तो लोगों के मन में केवल प्राइवेट स्कूलों के नाम ही आते हैं. लेकिन बता दें कि हमारे देश में कई ऐसे सरकारी स्कूल भी हैं, जिनका रिकॉर्ड कई बड़े-बड़े प्राइवेट स्कूलों से काफी अच्छा है. इसलिए आज हम आपको एक ऐसे सरकारी स्कूल के बारे में बताएंगे, जिसे IAS-IPS की फैक्ट्री कहा जाता है. ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां से देश के कई नामी-गिरामी हस्तियों ने पढ़ाई की है और बड़े-बड़े अफसरों के पद हासिल किए हैं.

हम बात कर रहे हैं, नेतरहाट आवासीय विद्यालय, झारखंड की. यह देश का काफी जाना माना और बेहद प्रतिष्ठित स्कूल है. झारखंड और उसके आसपास के राज्यों के मां-बाप का सपना होता है कि उनके बच्चों को कैसे भी करके इस स्कूल में एडमिशन मिल जाए. क्योंकि इस स्कूल से कई आईएएस, आईपीएस, प्रशासनकि अधिकारी समेत कई डॉक्टर और इंजीनियर निकले हैं.

यहां के छात्रों ने विदेशों में भी लहराया अपना परचम

इस स्कूल की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है. इस स्कूल में पढ़ने वाले छात्र आज देश के कई बड़े-बड़े पदों पर सेवाएं दे रहे हैं. झारखंड राज्य में ही कार्यरत कई आईएएस और आईपीएस अधिकारी इस स्कूल के छात्र रह चुके हैं. दुनिया के कई देशों में भी यहां के छात्रों ने अपना परचम लहराया है.

सीबीआई डायरेक्टर भी कर चुके हैं यहां पढ़ाई

बता दें कि इस स्कूल की स्थापना के समय से ही एकीकृत बिहार और बाद में बने झारखंड में होने वाले बोर्ड की परीक्षा में फर्स्ट टेन पोजिशन में नेतरहाट स्कूल के स्टूडेंट्स का ही कब्जा रहा है. अब तक यहां के तकरीबन तीन हजार से अधिक छात्र आईएएस-आईपीएस और सिविल सर्विस की अन्य सेवाओं के लिए चुने जा चुके हैं. इसके अलावा महान गणितज्ञ वशिष्ठ नारायण और सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर डॉ त्रिनाथ मिश्र और डॉ राकेश अस्थाना भी इसी स्कूल के छात्र रहे हैं.

जानिए क्या है अल्कोहल ब्लैकआउट जिसका शिकार हो रहे युवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 जुलाई , अगर आप भी अल्कोहोल का सेवन करते हैं तो हमारी इस खबर को गौर से पढ़ लीजिये। ये तो सब जानते हैं कि शराब का सेवन सेहत के लिए अच्छा नहीं होता, ये मादक पेय न सिर्फ शरीर के इम्यून सिस्टम को कमजोर करती है, बल्कि लिवर और हार्ट की बीमारियों का शिकार भी बनाती है, अब शराब एक नई समस्या का कारण बन रही है, यह खतरे की घंटी इसलिए है, क्योंकि अब एल्कोहल ने सीधे हमारे दिमाग पर वार करना शुरू कर दिया है. शराब का अत्यधिक सेवन हमारे दिमाग में केमिकल लोचा कर रहा है.

अक्सर आपने नशे में झूमते लोगों को देखा होगा. सोशल मीडिया पर भी ऐसे वीडियो वायरल होते रहते हैं, नशा उतरने के बाद ऐसे लोग फिर से सामान्य नजर आते हैं, सबमें तो नहीं, लेकिन इनमें से कुछ लोगों को ये याद ही नहीं रहता कि नशे में उन्होंने क्या हरकत की. मेडिकल साइंस ने इसे ही अल्कोहल ब्लैकआउट का नाम दिया है. इसके मामलों में लगातार आ रही तेजी को देखते हुए इस पर शोध किया गया है, इसमें सामने आया है कि ये समस्या युवाओं को तेजी से अपना शिकार बना रही है.

क्या है अल्कोहल ब्लैकआउट

ब्लैकआउट को एक ऐसी समय सीमा से परिभाषित किया जा सकता है, जब व्यक्ति ने क्षमता से अधिक शराब पी हो और उसके बाद नशा उतरने तक उसे कुछ याद ही न हो. दरअसल ज्यादा शराब पीने की वजह से हमारे दिमाग का महत्वपूर्ण हिस्सा हिप्पोकैम्पस काम करना बंद कर देता है. हिप्पोकैम्पस ही वो हिस्सा होता है जो हमारी यादों को स्टोर करता है.

शराब पीने के बाद क्या होता है केमिकल लोचा

शराब के दिमाग पर पड़ने वाले असर पर हाइडेलबर्ग यूनिवर्सिटी में भी एक रिसर्च की गई है, इसमें शोधकर्ता रिसर्चर हेल्मुट ने बताया है कि शराब में एथेनॉल होता है तो शरीर के अंदर पहुंचते ही खून में पूरी तरह घुल जाता है. इंसान के शरीर में 70 से 80 प्रतिशत मात्रा पानी की है, इसीलिए शराब का नशा एकदम से चढ़ने लगता है और दिमाग तक पहुंच जाता है.

गढ़वाल एवं कुमाऊँ दोनों मंडलों में आयोजित होगा युवा महोत्सव

■ सभी जनपद में लाइव टेलीकास्ट दिखाए जाएं - मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 22 जुलाई , मुख्य सचिव डॉ.एस.एस. संधु ने राज्य में युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में संचालित योजनाओं की जानकारी युवाओं तक पहुँचाने हेतु आयोजित किए जा रहे युवा महोत्सव-2023 की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की। कौशल विकास विभाग अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में युवा महोत्सव आयोजित करने जा रहा है। इस महोत्सव के माध्यम से राज्य सरकार के सभी विभाग अपनी कौशल विकास और रोजगारपरक योजनाओं को युवाओं के समक्ष रखेंगे।

इस महोत्सव के दौरान सभी विभाग युवाओं के लिए अपने स्टॉल लगाएंगे, युवाओं के लिए काउंसिलिंग सेशल और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करेंगे। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को युवा महोत्सव गढ़वाल एवं कुमाऊँ दोनों मंडलों में आयोजित किए जाने के निर्देश दिये।

मुख्य सचिव ने राज्य के युवाओं हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक युवाओं तक पहुँचाने हेतु प्रत्येक जनपद में इसका लाइव टेलीकास्ट किए जाने के भी निर्देश दिये। इसके लिए शिक्षा विभाग की प्रदेशभर संचालित 500 वर्चुअल कक्षाओं को भी उपयोग में लाया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को उचित एवं पूर्ण जानकारी मिल सके इसके लिये विशेषज्ञों को भी इसमें शामिल किया जाए। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगायी जाने वाली प्रदर्शनियों को भी अधिक से अधिक समय तक लगाए जाने के निर्देश भी दिये, ताकि अधिक से अधिक युवा लाभान्वित हो सकें। इसके साथ ही मुख्य सचिव द्वारा प्रदेश के विद्यालयों में संचालित 500 वर्चुअल कक्षाओं को विभिन्न प्रकार की काउंसिलिंग, व्याख्यान और जानकारियों को छात्र छात्राओं तक पहुँचाने हेतु नियमित रूप से उपयोग में लाए जाने के भी निर्देश दिये गए।

मुख्य सचिव ने कहा कि युवाओं को आगे भी राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी मिलती रहे इसके लिए मोबाइल ऐप भी तैयार किया जाए। सभी विभागों द्वारा संचालित ऐसी योजनाओं की जानकारी इस ऐप में उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को अपने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की पूर्ण जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराए जाने के भी निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2019 में आयोजित युवा महोत्सव में क़रीब 10 हज़ार युवाओं ने प्रतिभाग किया। सेक्टोरियल पंडालों में सभी विभागों द्वारा अपने अपने क्षेत्र के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। इस अवसर पर सचिव डॉ. बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम, विनोद कुमार सुमन, विजय कुमार यादव, वी. षणमुगम , विनय शंकर पाण्डेय, अपर सचिव अहमद इकबाल एवम योगेन्द्र यादव एवं संयुक्त निदेशक सूचना नितिन उपाध्याय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

क्या आप जानते है पानी पीने का सही तरीका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 22 जुलाई : ये बात तो सब जानते हैं कि पानी पीना शरीर के लिए कितना जरूरी होता है। ये शरीर को सिर्फ हाइड्रेट ही नहीं रखता, बल्कि इसके हमारी फिजिकल हेल्थ पर भी काफी अच्छा असर होता है। लेकिन पानी पीने के भी कुछ नियम हैं, जो सभी को जरूर जानने चाहिए। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट की मानें, तो हर इंसान को पानी बैठकर ही पीना चाहिए। डॉक्टर मोहित गुप्ता ने सोशल मीडिया के जरिये लोगों को बताया कि क्यों सभी लोगों को बैठकर ही पानी पीना चाहिए।

उन्होंने लिखा- आयुर्वेदा के अनुसार, सही तरीके से पानी पीना बेहद जरूरी है। अगर इसके फायदे उठाने हैं तो पानी पीने का तरीका जरूर मालूम होना चाहिए। हर किसी को पानी सिर्फ बैठकर ही पीना चाहिए। इसके बाद डॉक्टर ने खड़े होकर पानी ना पीने के कारण भी स्पष्ट किए। खड़े होकर क्यों न पिएं पानी? उन्होंने कहा कि अगर आप खडे होकर पानी पीते हैं तो इसका फोर्स और स्पीड सीधे फूड कनाल से होकर गुजरता है, जो काफी तेज होता है। ये नुकसानदायक होता है क्योंकि सीधे पेट में गिरता है। परिणामस्वरूप शरीर सारे टॉक्सिन्स को सही तरीके से बाहर नहीं निकाल पाता और खाना पचाने की प्रक्रिया पर इसका सीधा असर देखने को मिलता है।

जान लीजिये ये जरूरी बातें इसके बाद डॉक्टर ने खड़े होकर पानी पीने के और भी नुकसान गिनाए। उन्होंने कहा कि खड़े होकर पानी पीने से फेफड़ों को भी नुकसान हो सकता है। इसके साथ ही किडनी से संबंधित समस्याएं भी जन्म ले सकती हैं। इसलिए हर किसी को पानी पीते समय बैठना चाहिए। इसके साथ ही एक ही बारी में पूरी बोतल पानी भी खत्म नहीं करनी चाहिए। सही तरीके से पानी पीना है जरूरी बताते चलें कि पानी पीने के फायदों के साथ इसे सही तरीके से पीना आना भी चाहिए। पानी को गलत तरीके से पीने पर इसके बुरे परिणाम भी हो सकते हैं। कई लोग पानी तो एकदम सही मात्रा में पीते हैं लेकिन सही तरीका ना मालूम हो पाने की वजह से ये शरीर में अन्य दिक्कतें भी पैदा कर सकता है। इसलिए हमेशा किसी भी तरह की परेशानी होने पर अपने डॉक्टर से जरूर संपर्क करें।

मणिपुर में महिला अत्याचार को लेकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

€हरिद्वार। मणिपुर हिंसा और महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार के विरोध में कांग्रेसियों ने देवपुरा चौक पर मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। साथ ही मणिपुर के मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। महानगर अध्यक्ष सतपाल ब्रह्मचारी और कार्यकारी अध्यक्ष अमन गर्ग ने संयुक्त रूप से कहा कि पिछले तीन महीने से मणिपुर जल रहा है। इधर, मोदी सरकार के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। यह बहुत ही खेद जनक और दुख का विषय है। प्रदेश कांग्रेस सदस्य मुरली मनोहर और ओपी चौहान ने कहा कि महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार से साबित होता है कि सरकार महिला विरोधी है। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष तुषार कपिल और ब्लॉक अध्यक्ष अमित नौटियाल ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वालों की सरकार में महिला सुरक्षित नहीं है। पार्षद राजीव भार्गव और महावीर वशिष्ठ ने कहा कि मणिपुर की सरकार को तत्काल रुप से बर्खास्त कर देना चाहिए। प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष अंकित चौहान, कैलाश प्रधान, विजय प्रजापति, दिनेश वालिया, राकेश गुप्ता, शुभम जोशी, नितीन यादव, रेखा गुप्ता, एश्वर्य पंत, दीपक कोरी, मनीष गुप्ता, धनीराम शर्मा, शरद शर्मा, आर्यन राठौड़, आयुष सैनी, आयुष चौहान, सोनू शर्मा आदि शामिल रहे।

मारपीट में घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत, आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज

हरिद्वार। पिछले दिनों मामूली बात को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की मौत होने के बाद शहर कोतवाली पुलिस ने परिजन की शिकायत पर दूसरे पक्ष के आठ लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना 9 जुलाई की है। क्षेत्र के लालजीवाला में झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले दो परिवारों के बच्चों के बीच फेसबुक पर अपलोड की गई पोस्ट को लेकर विवाद हो गया था। देखते ही देखते बच्चों के बीच हुए विवाद के तूल पकडने पर परिजन भी विवाद में कूद पड़े थे। मारपीट में ध्यान सिंह बुरी तरह घायल हो गए। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दो दिन बाद उपचार के दौरान ध्यान सिंह की मौत हो गई। मृतक की पत्नी शीला ने जय शंकर, लल्ला, नरेन्द्र, बाबू, डालचंद, हरिओम, दामोदर और टहना के खिलाफ गैर इरादहन हत्या, बलवा, मारपीट, गाली गजौज करने समेत प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

संक्षिप्त खबरें

रुडक़ी में पारा 37 पार पहुंचा

रुडक़ी। रुडक़ी में पारा 37 डिग्री के पार चला गया है। दिनभर धूप निकली रही। गर्मी और उमस से लोग परेशान रहे। शाम को करीब एक घंटे की बारिश के बाद फिर बादल छा गए। लगातार बारिश से अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे आ गया था। अभी कुछ दिनों से बारिश थमी हुई है। इससे पारा ऊपर चढने लगा है। शुक्रवार को सुबह से धूप निकली थी। दिनभर तेज धूप और उमस के कारण लोग बेचैन रहे। शाम करीब चार बजे मौसम बदला और अगले एक घंटे तक बारिश हुई। आईआईटी रुडक़ी स्थित कृषि मौसम वेधशाला के अनुसार शुक्रवार को रुडक़ी में अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 5.4 डिग्री अधिक था। न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक था।

क्षत्रिय समाज का अधिवेशन 12 अगस्त से

रुडक़ी। क्षत्रिय महासंघ का दो दिवसीय अधिवेशन 12-13 अगस्त को कनखल की राजपूत पंचायत धर्मशाला में होगा। क्षत्रिय महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह बैस, जिलाध्यक्ष संजीव कुशवाह ने बताया कि अधिवेशन में महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन सुरेश सिंह परमार, मार्गदर्शक ब्रज भूषण सिंह सेंगर, संगठन सचिव बलराम डाहरे, महासचिव महेश पाल सिंह, गायत्री सिंह, पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष बुध सिंह गौर, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह विचार रखेंगे।

फसलों के नुकसान का मुआवजा व खेतों से जल निकासी की व्यवस्था की मांग की

रुडक़ी। भारतीय किसान यूनियन तोमर गुट ने जेएम से मिलकर किसानों को फसलों के नुकसान का मुआवजा दिए जाने की मांग की। साथ ही खेतों में भरे पानी की निकासी के प्रबंध करने की बात कही। जेएम अभिनव शाह को सौंपे गए ज्ञापन में जिलाध्यक्ष विकेश चौधरी ने कहा कि हाल ही में भारी बारिश के कारण फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। गन्ना, धान,ज्वार आदि का मुआवजा सरकार से दिलवाया जाए। इसके साथ ही फसलों में काफी पानी भरा हुआ है। इसके कारण किसानों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पानी की निकासी के प्रबंध किए जाएं। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश सचिव विकास चौधरी, यूनुस प्रधान, अमित, कुलदीप, इकबाल, प्रमोद प्रधान, तालिब हसन, आजादवीर, यामीन, ऋषिपाल, बिट्टू, सचिन, राव मुर्तजा, अयूब, इमरान, मयंक, वकील आदि लोग मौजूद रहे।

दो युवकों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज

रुडक़ी। खुब्बनपुर गांव निवासी रोबिन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गुरुवार को गांव के दो युवक उनके घर आए। गाली-गलौच करते हुए धारदार हथियारों से हमला कर जान से मारने की धमकी देने लगे। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद परितोष व मुकुल कुमार निवासी खुब्बनपुर के खिलाफ मारपीट व जान से मारने की धमकी दिए जाने की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

ऊर्जा निगम कार्यालय पर प्रदर्शन

रुडक़ी। कृष्णानगर और रामनगर में रातभर बिजली की कटौती से लोग परेशान रहे। इससे गुस्साए लोगों ने गुरुवार को ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय कश्यप के नेतृत्व में लोग रामनगर में अधिशासी अभियंता कार्यालय में पहुंचे। लोगों ने बताया कि रात से शहर के कई इलाकों में बिजली चली गई। रामनगर, कृष्णानगर और आसपास क्षेत्र में पूरी रात लाइट नहीं आई। आरोप है कि अधिकारियों और कर्मचारियों को फोन किया तो कोई जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि पूरी रात लोग गर्मी में परेशान रहे। स्कूल जाने वाले बच्चे रात को सो नहीं पाए। पानी की भी समस्या रही। उन्होंने कहा कि अगर व्यवस्था नहीं सुधरी तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

पति से छल-कपट, झूठ और दुर्व्यहवार त्यागने का दिन है हरियाली तीज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 जुलाई , श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन भगवती पार्वती सौ वर्षों की तपस्या साधना के बाद भगवान शिव से मिली थीं। मां पार्वती का इस दिन पूजन विवाहित स्त्री-पुरुष के जीवन में हर्ष प्रदान करता है। समस्त उत्तर भारत में तीज पर्व बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया जाता है। बुंदेलखंड के जालौन, झांसी, दनिया, महोबा, ओरछा आदि क्षेत्रों में इसे हरियाली तीज के नाम से व्रतोत्सव के रूप में मनाते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बनारस, मिर्जापुर, गोरखपुर, जौनपुर, सुल्तानपुर आदि जिलों में इसे कजली तीज के रूप में मनाने की परंपरा है। लोकगायन की एक प्रसिद्ध शैली भी इसी नाम से प्रसिद्ध हो गई है जिसे कजली कहते हैं।

तीज उत्सव की परंपरा

तीज भारत के अनेक भागों में मनाई जाती है, तीज का आगमन भीषण ग्रीष्म ऋतु के बाद पुनर्जीवन व पुनर्शक्ति के रूप में होता है। यदि इस दिन वर्षा हो तो यह और भी स्मरणीय हो उठती है। लोग तीज जुलूस में ठंडी बौछार की कामना करते हैं। ग्रीष्म ऋतु के समाप्त होने पर काले-कजरारे मेघों को आकाश में घुमड़ता देखकर पावस के प्रारंभ में पपीहे की पुकार और वर्षा की फुहार से आभ्यंतर आनंदित हो उठता है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन कजली या हरियाली तीज का पर्वोत्सव मनाता है। हरियाली तीज से एक दिन पहले सिंजारा मनाया जाता है। इस दिन नवविवाहिता लडक़ी की ससुराल से वस्त्र, आभूषण, श्रृंगार का सामान, मेहंदी और मिठाई भेजी जाती है। इस दिन मेहंदी लगाने का विशेष महत्त्व है।

मेहंदी रचाने का उत्सव

इस अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेहंदी रचाती हैं। तीज के गीत हाथों में मेहंदी लगाते हुए गाए जाते हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेल-बूटे बनाकर मेहंदी रचाना। पैरों में आलता लगाना महिलाओं के सुहाग की निशानी है। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेहंदी रचाती हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं, जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। तीज पर तीन बातें त्यागने का विधान हैः पति से छल-कपट, झूठ एवं दुर्व्यवहार करना तथा परनिंदा।

मल्हार और झूलों का उत्सव

तीज के दिन का विशेष कार्य होता है खुले स्थान पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर झूला बांधना। झूला स्त्रियों के लिए बहुत ही मनभावन अनुभव है। मल्हार गाते हुए मेहंदी रचे हुए हाथों से रस्सी पकड़े झूलना एक अनूठा अनुभव ही तो है। सावन में तीज पर झूले न लगें तो सावन क्या? तीज के कुछ दिन पूर्व से ही पेड़ों की डालियों पर, घर की छत की कड़ों या बरामदे में कड़ों में झूले पड़ जाते हैं और नारियां सखी-सहेलियों के संग सज-संवरकर लोकगीत, कजरी आदि गाते हुए झूला झूलती हैं। पूरा वातावरण ही उनके गीतों के मधुर लयबद्ध सुरों से रसमय, गीतमय और संगीतमय हो उठता है।

देहरादून में क्रिकेट के जलवा दिखाएंगे शिखर धवन और रिंकू सिंह, दर्शकों के लिए एंट्री फ्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 22 जुलाई : क्रिकेट के दीवानों के लिए एक अच्छी खबर है। अब वो अपने स्टार खिलाड़ियों को उत्तराखंड में चौके-छक्के लगाते देख सकेंगे।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आगामी घरेलू सत्र के 82 मैच देहरादून के मैदानों पर खेले जाएंगे। जिसमें भारतीय टीम के कुछ दिग्गज खिलाड़ी भी खेलने के लिए दून आएंगे।

इस लिस्ट में शिखर धवन, मयंक अग्रवाल, आईपीएल स्टार रिंकू सिंह, देवदत्त पडिक्कल और आवेश खान जैसे खिलाड़ियों का नाम शामिल है। घरेलू सत्र के जो 82 मैच देहरादून के मैदानों पर होने हैं। उनमें सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी, वूमेंस अंडर-19 टी20 ट्रॉफी, वूमेंस अंडर-23 वनडे ट्रॉफी, वूमेंस अंडर-15 वनडे ट्रॉफी के मुकाबले शामिल हैं।

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के मैच 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले हैं। जिसमें भारतीय टीम के कुछ दिग्गज खिलाड़ी भी खेलने के लिए दून आएंगे। उत्तराखंड को सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के अलावा वूमेंस अंडर-19 टी20 ट्रॉफी, वूमेंस अंडर-23 वनडे ट्रॉफी और वूमेंस अंडर-15 वनडे ट्रॉफी की मेजबानी मिली है। सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में उत्तराखंड इलीट ई ग्रुप की मेजबानी करेगा। इस ग्रुप में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, त्रिपुरा व नागालैंड की टीमें देहरादून में खेलेंगी। वूमेंस अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी में बिहार, कर्नाटक, नागालैंड, विदर्भ, हिमाचल प्रदेश व झारखंड की टीमें हिस्सा लेंगी।

जबकि वूमेंस अंडर-23 वनडे ट्रॉफी में दिल्ली, तमिलनाडु, बंगाल, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश, रेलवे व छत्तीसगढ़ की टीमें खेलेंगी। वूमेंस अंडर-15 वनडे ट्रॉफी में राजस्थान, विदर्भ, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल, छत्तीसगढ़ व ओडिसा की टीमें नजर आएंगी। देहरादून में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज, अभिमन्यु क्रिकेट एकेडमी, कासिगा स्कूल मैदान और सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल में मैच आयोजित किए जाएंगे। सबसे खास बात ये है कि इन मैचों के आयोजन स्थलों में दर्शकों के लिए प्रवेश मुफ्त रहेगा।

दर्शक फ्री में अपने पसंदीदा खिलाड़ी को Dehradun Cricket Stadium में खेलते देख सकेंगे। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) के इंफ्रास्ट्रक्चर को देखते हुए बीसीसीआई ने आगामी घरेलू सत्र में उत्तराखंड को चार टूर्नामेंट की मेजबानी का अवसर दिया है।

उत्तराखंड में 8 हजार शिक्षकों की भर्ती को लेकर बड़ा अपडेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 22 जुलाई : उत्तराखंड में शिक्षकों की कमी को अब जल्द ही पूरा किया जाएगा। लंबे समय से उत्तराखंड के शिक्षा विभाग में कई पद खाली चल रहे हैं जिन पर रिक्तियां नहीं हो पा रही हैं। मगर अब इन पदों को जल्द ही भरा जाएगा। प्रदेश के स्वास्थ्य शिक्षा एवं सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने ऐलान किया है कि अब जल्द ही इन खाली पदों पर आठ हजार शिक्षकों की भर्ती की जाएगी।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि शिक्षकों के विकल्प के आधार पर 4500 शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया है। अब जल्द ही रिक्त स्थानों को भी भरा जाएगा।

प्रदेश में करीब आठ हजार शिक्षकों की भर्ती की जाएगी, ताकि किसी भी स्कूल में बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ न हो। इतना ही नहीं शिक्षा मंत्री ने दावा किया कि 6 महीने के अंदर उत्तराखंड में शिक्षा विभाग के अंदर बड़े स्तर पर बदलाव नजर आएगा। धन सिंह रावत ने दावा किया कि प्रदेश भर के सभी बेसिक स्कूलों में 15 बच्चों पर एक अध्यापक की नियुक्ति की जाएगी। माध्यमिक विद्यालयों में 30 बच्चों पर 1 टीचर होगा। जिससे स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

बोर्ड की बैठक न बुलाने पर सभासदों ने नगर पालिका गेट में की तालाबंदी

रुद्रपुर। बोर्ड की बैठक न बुलाये जाने पर आक्रोशित सभासदों ने पालिका कार्यालय के मुख्य गेट पर तालाबंदी कर पालिका प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर काटा हंगामा। वही पालिका के सभी कार्य बाधित होने की सूचना पर एसडीएम पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं उन्होंने अधिशासी अधिकारी तथा नगर अध्यक्ष से वार्ता कर बोर्ड की बैठक बुलाने की तारीख तय करने के बाद सभासदों ने धरना समाप्त किया। वही पालिका गेट पर तालाबंदी करने अधिशासी अधिकारी के द्वारा धरना स्थल पर बैठे तमाम सभासदों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर धरना को अवैतनिक बताया। शुक्रवार को गदरपुर नगर पालिका परिषद के कुछ सभासदों ने पालिका प्रशासन पर बोर्ड की बैठक न बुलाए जाने का आरोप लगाते हुए पालिका गेट की तालाबंदी कर पालिका प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। सभासदों का आरोप था कि उनके द्वारा बरसात के मौसम को देखते हुए नगर की सफाई व्यवस्था को सही करवाने, नगर में कीटनाशक दवा का छिडक़ाव करवाने सहित कई समस्याओं को लेकर पालिका बोर्ड की बैठक बुलाये जाने की मांग कई दिनों से की जा रही थी। इस संबंध में जिलाधिकारी को भी पत्र दिया गया।लेकिन अभी तक बोर्ड की बैठक नहीं बुलाई गयी। सभासदों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा भी सहयोग नही किया गया। इसलिए मजबूरन यह कदम उठाते हुए पालिका गेट पर प्रदर्शन किया गया। सभासदों का कहना है कि जब तक बोर्ड की बैठक की तिथि तय नहीं की जाती तब तक धरना जारी रहेगा। व्यापार मंडल के तमाम पदाधिकारी गण ने भी सभासदों का समर्थन दिया।

देवप्रयाग की धरमपुर बस्ती को भू धंसाव से खतरा

नई टिहरी। देवप्रयाग नगर पालिका के वार्ड संख्या एक स्थित धरमपुर बस्ती के नीचे से अचानक भू धंसाव होने से बस्ती के कई घरों को खतरा उत्पन्न हो गया है। भू धंसाव से कुछ घरों के पुश्ते और आंगन ध्वस्त हो गये हैं। भारी बारिश से देवप्रयाग की दलित बस्ती वार्ड संख्या एक धरमपुर के नीचे भू धंसाव होने से कई परिवारों के घरों के लिये खतरा पैदा हो गया है। बस्ती के भुन्द्रा देवी और अर्जुन कुमार के घर का आंगन धंस जाने के बाद उनके परिवारों को बारात घर में शिफ्ट किया गया है। भू धंसाव से ऋषिकेश बदरीनाथ राजमार्ग पर मलबा गिरने की संभावना बनी है। नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णकांत कोटियाल, एनएच ईई निर्भय सिंह, एई बीएन द्विवेदी, राजस्व उप निरीक्षक प्रमोद चौहान, सभासद रूपेश गुसाई सहित टीएचडीसी के प्रतिनिधियों ने भू धंसाव वाली जगह का संयुक्त निरीक्षण किया गया है। आगामी दिनों में बारिश होती है तो बस्ती के करीब छह से अधिक मकानों को खतरा होने की आशंका जताई गई है। पालिका अध्यक्ष ने कहा कि कुछ वर्ष पूर्व भारत निर्माण कंपनी द्वारा उचित ढंग से भू धंसाव वाली जगह का ट्रीटमेंट नहीं किये जाने का खामियाजा धरमपुर बस्ती को लोगों उठाना पड़ रहा है।

अद्भुत है हेमकुंड साहिब का इतिहास जानिए क्या है पांडवों से रिश्ता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 22 जुलाई , देवभूमि के पवित्र धाम सिखों की तीर्थस्थली हेमकुंड साहिब के बारे में आज हम आपको जानकारी दे रहे हैं। सिख धर्म ग्रंथों के आधार पर हेमकुंड में गुरु गोबिन्द सिंह जी ने महाकाल की तपस्या की थी। हेमकुंड सुमेरु पर्वत का एक कोना है। इसके पास ही सप्तश्रृंग नामक पर्वत है। यहां पर पांडवों के पिता महाराज पांडु ने भी तपस्या की थी।

पांडुकेश्वर है राजा पांडु की तप भूमि

सिख ग्रंथो के इतिहास को पड़कर संत सोहन सिंह जी, जो टिहरी (गदवाल) में संत वाणी का उपदेश कर रहे थे, के मन में इस पवित्र स्थान को खोजने की इच्छा हुई। सोहन सिंह जी गुरु जी के प्रति असीम श्रद्धा रखते थे। अतः उन्होंने संकल्प कर लिया कि वे उस स्थान की अवश्य ढूंढ निकालेंगे। hemkund sahib history इसके लिए सोहन सिंह जी ने कई साधु-संतों से जानकारी प्राप्त करनी शुरू की। इस विषय को लेकर संत जी कई दिन तक इधर-उधर भटकते हुए बदरीनाथ पहुंचे। लेकिन but वहां से लौटते समय वे किसी कारणवश रात्रि में पांडुकेश्वर रुक गए।

यहां उन्हें पता चला कि पांडुकेश्वर को राजा पांडु की तप भूमि होने के कारण पांडुकेश्वर कहते हैं। संत जी की आधी गुत्थी सुलझ गयी लेकिन सप्तश्रृंग अभी भी उन्हें नहीं दिखाई दिया। एक दिन सवेरे-सवेरे स्थानीय लोगों का एक समूह नए नए वस्त्र पहनकर कही जाने की तैयारी में था पुछने पर संत जी को पता चला कि ये लोग हेमकुंड लोकपाल तीर्थ में स्नान करने जा रहे हैं। संत जी भी उनके पीछे-पीछे हेमकुंड चल दिए।

सन् 1934 ई. तक अलकनंदा नदी पर कोई पुल नहीं था। लोग उसे एक रस्सी पर झूल कर पार करते थे। सभी लोगो के साथ संत सोहन सिंह जी भी रात्रिं तक घांघरिया पहुंचे और वहां दूसरे दिन हेमकुंड। वहां पहुंचते ही संत जी को सात चोटियों वाला पर्वत सप्तश्रृंगी दिखायी दिया, जहां गुरु गोबिन्द सिंह ने महाकाल की तपस्या की थी।

कहते हैं कि तब संत सोहन सिंह जी ने गुरु जी की (अरदास) प्रार्थना की कि हे प्रभु! आपकी क्रपा से मैं आप की तपोभूमि तक तो आ गया हूं। अब आप मुझे वह स्थान बताएं जहां आप जोत जगाकर शोभा बढ़ाते थे। कहते हैं कि ज्यों ही संत जी ने अरदास पूरी की, कमर तक जटा, नाभि तक दाड़ी रखे, शेर की खाल पहने एक अवधूत प्रकट हुआ और बोला- खालसा किसे ढूंढते हो संत जी ने कहा कि हे जोगीश्वर महाराज ! मैं अपने गुरु जी का स्थान ढूंढ रहा हूं।

जोगीश्वर बोले कि यही वह शिला है जहां गुरुजी बैठते थे। यह सुनकर संत जी भाव विभोर होकर उस शिला से लिपट गए। उनकी आंखों से खुशी की धार बहने लगी। उन्होंने जोगीश्वर की ओर उत्सुकता से देखा लेकिन तब तक वे गायब हो चुके थे। संत जी ने जोगीश्वर की चरण धूलि सर माथे ली और वापस लौट गए। कुछ दिनों बाद संत जी ने अमृतसर जाकर भाई वीर सिंह सरदार को सारी बात बताई। भाई जी यह सुनकर बहुत प्रसन्न हुए और संत जी से कहा कि वहां जाकर गुरु ग्रंथ का प्रकाश कर दो । इस प्रकार 1936 ई. में वहां एक छोटा सा गुरुद्वारा बनकर तैयार हो गया।सन् 1937 ई. के शुरू में वहां गुरु ग्रंथ साहिब का पहला प्रकाश (पूजा) हुआ। हेमकुंड अत्यधिक ऊंचाई वाले तीर्थों में से है। इसकी ऊंचाई 4329 मीटर है। श्रद्धालु शाम तक वापस घांघरिया आ जाते हैं। घांघरिया, भ्यूडार व पुलना चट्टी में यात्रियों की जरूरी सामान उपलब्ध हो जाता है । प्रत्येक वर्ष पहली जून को हेमकुंड साहिब के पट खुलते हैं। तब सैकड़ों-हजारों सिख हेमकुंड साहिब पहुंचते हैं। सिख धर्म में यह पवित्र तीर्थ माना गया है। सिख लोग गुरु का संकल्प लेकर घरों से जलसों के रूप में यात्रा के लिए निकलते हैं।

हेमकुंड साहिब तृत के प्रमुख नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा बताते हैं कि यहाँ आने वाले श्रद्धालु इस समय प्रकृति का मनमोहक एवं अति सुंदर रूप के दर्शन कर रहे हैं। इस वर्ष हेमकुण्ट वैली में अचंभित करने वाले विभिन्न प्रकार के फूलों की प्रकृतियों के अंबार लगे हैं। ईश्वर की अपार कृपा से यह मन में सदैव क़ैद करने योग्य दृश्य श्रद्धालुओं की अंतर आत्मा को छू जाते हैं। इस वर्ष प्रभु की बख़्शीश से मौसम भी बहुत साथ दे रहा है । सभी यात्री अपनी तीरथ यात्रा के साथ इन अदभुत नज़ारों का आनंद ले सकते हैं।

पूरे शरीर को ले डूबेगा खाने के बाद मीठा खाने का शौक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 22 जुलाई : हेल्दी और बैलेंस डाइट बहुत जरूरी है। यह शरीर के लिए जरूरी न्यूट्रिशन देती है। बीमारियों से बचाव या इलाज के लिए स्वस्थ आहार सबसे पहला कदम होता है। एक बढ़िया डाइट में साबुत अनाज, फलियां, फल-सब्जी, लीन प्रोटीन आदि का संतुलित मिश्रण होता है।

अगर बॉडी को फिट रखने के लिए आपको खाना खाने के बाद भी कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।क्योंकि, कुछ गलतियां करने से आपको नुकसान पहुंच सकता है। मेडिकल न्यूट्रीशनिस्ट विपिन राणा ने 3 काम बताए हैं, जो भोजन लेने के बाद कभी नहीं करने चाहिए। बहुत से लोगों को खाना खाने के बाद मीठा खाने की आदत होती है। इसके बिना उनका भोजन पूरा ही नहीं होता और पेट खाली-खाली लगता है। यह काम करने से कफ बढ़ने लगता है। इसके कारण सांस की तकलीफ, खांसी, भारीपन महसूस हो सकता है।

मीठे की तरह लोगों को खासकर डिनर के बाद आइसक्रीम का शौक होता है। मगर डिनर या किसी भी मील के तुरंत बाद आइसक्रीम खाने से नुकसान हो सकता है। आयुर्वेद में गर्म भोजन के बाद ठंडे पदार्थ खाना सख्त मना किया गया है, इसे विरुद्ध आहार कहते हैं। फिट रहने के लिए जिम और एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। यह दिल की बीमारी से बचाने के साथ वजन कंट्रोल रखती है।

मगर खाना खाने के तुरंत बाद कभी भी जिम या हैवी एक्सरसाइज ना करें। इससे उल्टी, पेट दर्द, अपच हो सकती है। एक्सपर्ट ने बताया कि भोजन के बाद शतपावली की जा सकती है। इसमें आपको आराम से कम से कम 100 कदम चलने होते हैं। यह खाना पचाने और ब्लड सर्कुलेशन सही रखने में मदद करेगा।

pic source : social media

बारिश में समोसे या पकौड़े नहीं बल्कि भुना भुट्टा है फायदेमंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 जुलाई , बारिश के मौसम में अक्सर लोग भुने हुए भुट्टों का मजा लेते दिखेंगे. बता दें कि भुने हुए भुट्टे सेहत के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं. इनके अंदर सही से पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत को कई समस्याओं को बचा सकते हैं. ऐसे में आपको भुट्टे के फायदों के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि भुने हुए भुट्टे के सेवन से सेहत को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं. पढ़ते हैं आगे...

बारिश के मौसम में अक्सर लोग भुने हुए भुट्टों का मजा लेते दिखेंगे. बता दें कि भुने हुए भुट्टे सेहत के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं. इनके अंदर सही से पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत को कई समस्याओं को बचा सकते हैं. ऐसे में आपको भुट्टे के फायदों के बारे में पता होना जरूरी है. हम आपको अपने इस मीडिया रिपोर्ट के माध्यम से बता रहे हैं कि भुने हुए भुट्टे से सेहत को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं

भुने हुए भुट्टे के फायदे

भुने हुए भुट्टे के सेवन से कोलेस्ट्रॉल को कम किया जा सकता है. भुने हुए भुट्टा शरीर में ब्लड प्रेशर को सामान्य रखने के लिए भी उपयोगी है.यदि आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो ऐसे में आप भुने हुए भुट्टे को अपनी डाइट में जोड़ सकते हैं. यह वजन प्रबंधन में मददगार साबित हो सकता है.भुने हुए भुट्टा ग्लूटेन फ्री होता है. ऐसे में इसे डाइट में जोड़ना अच्छा विकल्प साबित हो सकता है.यदि आप अपने पाचन तंत्र को मजबूत करना चाहते हैं तो ऐसे में आप भुने हुए भुट्टे को अपनी डाइट में जोड़ सकते हैं.जिन लोगों की किडनी में पथरी होती है वे भुने हुए भुट्टे का सेवन करें तो उन्हें फायदा पहुंच सकता है. भुने हुए भुट्टे को यदि पानी में घोलकर पिया जाए तो इससे पथरी के उपचार में मदद मिल सकती है.

जानें कितनी पावरफुल है इंडियन आर्मी की नई देसी SUV, इन खूबियों से लैस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 जुलाई , भारतीय सेना को एक देसी SUV की डिलीवरी हुई है। जिसे खासतौर पर सेना के लिए ही बनाया गया है। यह कई तरह की खूबियों से लैस है। मीडिया प्लेटफॉर्म पर आज देसी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा के स्कॉर्पियो क्लासिक (Mahindra Scorpio Classic) की खूब चर्चा है । इस एसयूवी के पहले बैच की डिलीवरी हो गई है। स्कॉर्पियो क्लासिक के मॉडल खासतौर पर भारतीय सेना बनाया जा रहा है। कई चरणों में यह सेना को सौंपी जा रही है। बता दें कि इसी साल जनवरी में महिंद्रा को इंडियन आर्मी ने 1,470 स्कॉर्पियो क्लासिक एसयूवी का ऑर्डर दिया था।

सभी क्लासिक एसयूवी में सेना को ध्यान में रखकर बदलाव किए गए हैं। आम स्कॉर्पियो एसयूवी से ये काफी बेहतर और पावरफुल हैं। सेना ने अपने 12 यूनिट्स में स्कॉर्पियो क्लासिक एसयूवी की तैनाती भी करना शुरू कर दिया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेना की नई स्कॉर्पियो एसयूवी 4X4 ड्राइवट्रेन से लैस है। बाजार में मिल रही इस एसयूवी में 4X2 ड्राइवट्रेन मिलती है।

महिंद्रा ने बताया है कि स्कॉर्पियो क्लासिक एसयूवी 1,000 आरपीएम पर 230 एनएम का टार्क जनरेट करने की क्षमता रखती है। इसका माइलेज भी 15 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। गियरबॉक्स में केबल-शिफ्ट ट्रांसमिशन का यूज हुआ है। इससे वाइब्रेशन को कम करने के साथ शिफ्टिंग भी आसान हो गई है।

सेना के लिए बनी स्कॉर्पियो एसयूवी के सस्पेंशन सेटअप को महिंद्रा ने अपग्रेड किया है। MTV-CL डैम्पर का यूज हुआ है। कुछ नए फीचर्स जैसे क्रूज कंट्रोल, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, 9-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, फैब्रिक सीट से इस एसयूवी को कंपनी ने लैस किया है। बता दें कि यह एसयूवी अब सिर्फ रियर व्हील ड्राइव में आ रही है, जो 6-स्पीड गियरबॉक्स से पूरी तरह लैस ह। इसका डीजल इंजन 130 बीएचपी की पावर और 300 एनएम का टार्क जनरेट करने में सक्षम है।

मम्मी दुबई से क्या लांऊ? मां ने मंगाए टमाटर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 जुलाई , आपने सोने की तस्करी की खबर पढ़ी होगी। ड्रग्स की तस्करी की खबर पढ़ी होगी। लेकिन टमाटर महंगा होने के बाद अब टमाटर की तस्करी की खबरें भी आने लगी है। भारत में तस्करी के जरिए टमाटर नेपाल से आ रहे हैं। दरअसल नेपाल में चाइनीज टमाटर सस्ते बिक रहे हैं।

दुबई की एक प्रवासी अपनी मां की इच्छा पूरी करने के लिए अपने सूटकेस में 10 किलो टमाटर लेकर भारत वापस आईं। छुट्टियों के लिए भारत आ रही महिला ने अपनी मां से पूछा कि वह दुबई से क्या चाहती है, उन्होंने जवाब में कहा टमाटर। दरअसल इन दिनों भारत में टमाटर की कीमतें बहुत अधिक हो चुकी हैं।

किस्सा साझा करते हुए, प्रवासी की बहन, जो ट्विटर पर रेव्स नाम से जानी जाती है, ने लिखा, "मेरी बहन अपने बच्चों के साथ गर्मियों की छुट्टियों के लिए दुबई से भारत आ रही हैं, और उसने मां से पूछा कि उसे दुबई से कुछ चाहिए, तो मां ने कहा कि 10 किलो टमाटर लाओ। हांलाकि उन्होंने 10 किलो टमाटर सूटकेस में पैक करके भेज दिए हैं।

यह मनोरंजक कहानी ट्विटर पर वायरल हो गई। रेव्स ने कहा कि 10 किलो टमाटर से अन्य चीजों के अलावा अचार और चटनी बनाई जाएगी। ट्विटर यूजर्स ने कहा, "महंगाई के इस समय में सर्वश्रेष्ठ बेटी का पुरस्कार शायद उसी दिशा में जा रहा है।"गौरतलब है कि हाल के सप्ताहों में टमाटर की कीमतें बढ़ी हैं, जो देश के कुछ हिस्सों में औसतन 20 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 250 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। सीमा शुल्क अधिकारियों ने हाल ही में नेपाल से भारत में तस्करी कर लाए जा रहे तीन टन टमाटरों को जब्त किया।

यहां शादी से पहले लड़को की मर्दानगी का होता है टेस्ट दिया जाता है बिजली का झटका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 22 जुलाई : शादी से पहले दूल्हा हर कोशिश करता है कि दुल्हन को अपनी जवानी का अहसास कराए। एक ऐसी परंपरा भी है जहां सिर्फ अहसासों से काम नहीं चलता, बल्कि लड़कों को बिजली का जोरदार झटका झेलना पड़ता हैं। ताकि उसकी मर्दानगी होने वाली दुल्हन के सामने साबित हो सके। साउथ अमेरिका की एक जनजातीय परंपरा के अनुसार लड़कियां शादी के पहले पुरुषों से उनकी मर्दानगी का अनोखा सबूत मांगती है। इस सबूत को देना यहां की सबसे बड़ी परंपरा में शामिल है

यहां पुरुषों को अपनी मर्दानगी साबित करने के लिए एक अनोखा खेल खेलना पड़ता है। इस खेल के अनुसार पहले पुरुष को शराब का सेवन करना पड़ता है। थोड़ी देर बाद इन्हें 120 वोल्ट का बिजली का झटका झेलना पड़ता है। इस दौरान लड़के के हाथ में मेटल के दो रॉड दिए जाते हैं। अगर लड़का इस झटके को झेल जाए तो वह मर्द माना जाता है। इस गेम में फेल होने वाले लड़के को नामर्द समझा जाता है। लड़कियां ऐसे लड़के से शादी करने से मना कर देती हैं, जो बिजली का झटका नहीं झेल पाता। वही अगर लड़का इस जोरदार बिजली के झटके को झेल लेता है तो वह योग्य पति बनने लायक होता है।

संक्षिप्त खबरें

नेशनल यूथ बॉक्सिंग चैम्पियनशिप के पदक विजेताओं का हुआ सम्मान

पिथौरागढ़। नेशनल यूथ बॉक्सिंग चैम्पियनशिप (भोपाल) व जूनियर राष्ट्रीय बालक वर्ग की प्रतियोगिता में पदक प्राप्त कर यहां लौटे खिलाडियों के सम्मान में एक रैली निकाली गई व उनका जोरदार अभिनंनद किया गया। शनिवार को जोहार क्लब के तत्वाधान में ब्लाक सभागार में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें हाल ही में आयोजित नेशनल यूथ बॉक्सिंग चैम्पियनशिप (भोपाल) व जूनियर राष्ट्रीय बालक वर्ग में पूरे क्षेत्र व प्रदेश का नाम रोशन करने वाले पदक विजेता निकिता चंद ,काजल फर्स्वाण,दीपा मेहता व कर्णिका कठायत, बृजेश टम्टा व करण एरी का सम्मान किया गया। इस दौरान विधायक धामी ने कहा कि इन खिलाडियों ने सीमांत के साथ प्रदेश का नाम रोशन किया है। कहा कि वे खिलाडियों के सम्मान व प्रोत्साहन के लिए हमेशा काम करते रहे हैं। उन्होंने सभी को बधाई दी व भविष्य में अपनी तरफ से हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। इस दौरान कोच देवी चंद, विजेंद्र मल्ल , निखिल महर व बबीता बसेड़ा ,उप जिलाधिकारी मुनस्यारी शामिल रहे।

संकुल स्तरीय खेल में दिखाया दमखम

चम्पावत। जीआईसी बापरू में सीएम उदीयमान खिलाड़ी छात्रवृत्ति योजना के तहत विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में आठ से चौदह वर्ष के खिलाडियों ने प्रतिभाग किया। प्रधानाचार्य संजीव पंत की अध्यक्षता और स्काउट मास्टर प्रकाश चन्द्र उपाध्याय के संचालन में प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। संकुल के बापरू, बंतोली, गुमोद, ग्वीनाड़ा, गुमोद, रेगड़ू, छंदा, दियारतोली, कालाकोट के प्राइमरी, जूनियर तथा इंटर कॉलेज के छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 600 मीटर की दौड़, शटल रन, बैंड रिच, मेडिसन बॉल थ्रो, कबड्डी, जंप की कड़ी प्रतिस्पर्धाओं में छात्र-छात्राओं ने दमखम दिखाया। इस मौके पर नरेन्द्र राम टम्टा, नीरज वर्मा, प्रकाश उपाध्याय, हरीश जोशी रहे।

स्कूटी चोर का पता लगाने की मांग

चम्पावत। शीतला माता मंदिर के निकट एक घर के बरामदे से चोरी हुई स्कूटी का पांच दिन बाद भी सुराग नहीं लगा। लोगों ने पुलिस से स्कूटी चोरी का पता लगाने की मांग की। व्यापारी अमित जुकरिया ने कहा कि उनकी स्कूटी बीते दिनों अज्ञात चोरों ने घर के भीतर से उड़ा ली। जिसका अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका। पालिकाध्यक्ष गोविंद वर्मा, व्यापार संघ अध्यक्ष भैरव राय, जीवन गहतोड़ी, दीपक सुतेड़ी ने एसओ से वार्ता कर जल्द चोरी का खुलासा करने की मांग उठाई। बाराकोट में बाइक से चोरों ने बैटरी उड़ाई बाराकोट। बाराकोट के बैड़ा बैड़वाल निवासी मनोज सिंह अधिकारी ने बाराकोट चौकी में तहरीर देकर कहा कि बीते 19 जुलाई की रात को उनके घर के आगे खड़ी मोटर साइकिल वाहन संख्या यूके 06-2376से अज्ञात चोरों ने बैटरी चुरा ली। पीड़ित ने बाराकोट पुलिस चौकी में घटना की रिर्पोट दर्ज कराकर चोरों का पता लगाने की मांग की।

मणिपुर घटना को लेकर केंद्र के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

नई टिहरी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई घटना के विरोध में जिला मुख्यालय नई टिहरी के सांई चौक में कांग्रेसियों ने केंद्र की मोदी सरकार का पुतला दहन किया। साथ ही मणिपुर के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग की। जिला मुख्यालय के साईं चौक पर महिला कांग्रेस ,युवा कांग्रेस, एनएसयूआई सहित वरिष्ठ कांग्रेसियों ने एकत्र होकर मणिपुर में हुई महिलाओं के साथ हुई शर्मसार करने वाली घटना के लिए भाजपा की केंद्र व मणिपुर की प्रदेश सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए जमकर नारेबाजी की। केंद्र व मणिपुर की राज्य सरकार के पर घटना को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि महिलाओं को लेकर भाजपा का चेहरा पूरी तरह से बेनकाब हुआ है। इस घटना के लिए जिम्मेदार पीएम सहित मणिपुर के सीएम को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। इस मौके पर कांग्रेस वक्ताओं ने कहा कि मणिपुर की घटना ने देश के माथे पर एक बहुत बड़ा कलंक लगा दिया है। जिसको कि अब मोदी सरकार मिटा नहीं सकती है। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत और शहर अध्यक्ष अनीता रावत ने कहा कि मोदी सरकार का असली चेहरा आज जनमानस के सामने आ गया है। मणिपुर की घटना दुनिया के सामने भाजपा का महिला विरोधी चेहरा उजागर करती है। प्रदर्शनकारियों में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश राणा, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत, विजय गुनसोला, मुशर्रफ अली, शहर कांग्रेस के अध्यक्ष कुलदीप पंवार, देवेंद्र नौडियाल, मुर्तजा बेग, एनएसयूआई के हरिओम भट्ट, असद आलम, मान सिंह सिंह, नरेंद्र रावत, रोशन नौटियाल, दिनेश शाह, नवीन नेगी, अनिता रावत, मीना शाह, प्रकाशी राणा, गीता सजवान, रोशन नौटियाल, वीरेंद्र दत्त, विजेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, नवीन नेगी, तनिषा रावत, ममता उनियाल, निहाल सिंह नेगी, जुनेद खान, ममता खरोला, मुन्नी कलूड़ा, ममता साह आदि मौजूद रहे।

विधायक शाह ने आपदा को लेकर ली अधिकारियों की समीक्षा बैठक

नई टिहरी। घनसाली विधायक ने घनसाली तहसील सभागार में आपदा को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से अलर्ट मूड पर रहने के निर्देश दिये है। विधायक शक्तिलाल शाह ने कहा कि घनसाली विधानसभा आपदा की दृष्टि से अति संवेदनशील है, इसलिए अधिकारियों को सदैव अलर्ट मूड पर रहना होगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के ईई जगदीश खाती से क्षेत्र की सडक़ों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। कहा कि आपदा के दौरान बंद सडक़ों को त्वरित खोलने की व्यवस्था के सडक़ों पर पड़े गड्ढों को शीघ्र भरा जाए। ऊर्जा निगम की समीक्षा के दौरान उन्होंने बरसात के सीजन में झूलती विद्युत तारों, पोलों को बदलने और विद्युत आपूर्ति को सुचारु रखने को कहा। विधायक ने खाद्यान्न विभाग के अधिकारियों को दूरस्थ क्षेत्रों में अग्रिम रूप से खाद्यान्न सुरक्षित रखने को कहा है, ताकि आपदा के दौरान ग्रामीणों को खाद्यान्न की किल्लत न हो। उन्होंने स्वास्थ्य,शिक्षा,पेयजल आदि सेवाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को अपने मोबाइल चौबीस घंटे ऑन रखने और शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि जो अधिकारी आपदा कार्यों में लापरवाही बरतेगा, उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाऐगी। बैठक में एसडीएम केएन गोस्वामी, तहसीलदार महेशा शाह, बीडीओ अर्जुन सिंह, आनंद बिष्ट, प्रधान संगठन अध्यक्ष दिनेश भजनियाल,विक्रम असवाल सहित कई विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कब शुरू होगा पितृ पक्ष? नोट कर लें श्राद्ध की सभी तिथियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 22 जुलाई , हिंदू धर्म में पितरों को पूजनीय स्थान दिया गया है और जब घर के किसी सदस्य की मृत्यु होती है तो उसके बाद वह पितरों की श्रेणी में आ जाता है. पितरों का पूजन करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है. कहते हैं कि जिस घर पर पितरों का आशीर्वाद होता है वहां हमेशा खुशियां और सफलता बनी रहती हैं. वहीं कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है और बनते काम बिगड़ने लगता है. इसलिए पितरों का प्रसन्न रखना बेहद जरूरी है क्योंकि पितरों के नाराज होने पर पितृ दोष भी लगता है. ऐसे में पितृ पक्ष (Pitra Dosh Ke Upay) में पितरों का विशेष प्रकार से तर्पण किया जाता है ताकि उनकी आत्मा को शांति मिले और वह अपना आशीर्वाद दें. आइए जानते हैं कि इस साल कब शुरू होगा पितृ पक्ष और किस दिन पड़ेगी कौनसी तिथि?

कब शुरू होगा पितृ पक्ष 2023?

इस साल अधिकमास यानि मलमास लग रहा है जिसकी वजह से पितृ पक्ष यानि श्राद्ध 15 दिन देरी से शुरू होंगे. पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि के दिन से पितृ पक्ष की शुरुआत होती और यह अश्विन माह की अमावस्या तिथि पर समाप्त होते हैं. इस बार पितृ पक्ष की शुरुआत 29 सितंबर 2023 से होगी और 14 अक्टूबर 2023 को इनका समापन होगा. अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में पितृ दोष है तो उसे पितृ पक्ष में पूरे

विधि—विधान के साथ पितरों का तर्पण करना चाहिए. इससे पितृ दोष दूर होता है और पितृ प्रसन्न होकर अपना आशीर्वाद देते हैं.

तुरंत देख लें 2023 में श्राद्ध की तिथियां

पूर्णिमा का श्राद्धः 29 सितंबर 2023प्रतिपदा का श्राद्धः 29 सितंबर 2023द्वितीया का श्राद्धः 30 सितंबर 2023तृतीया का श्राद्धः 1 अक्टूबर 2023चतुर्थी का श्राद्धः 2 अक्टूबर 2023पंचमी का श्राद्धः 3 अक्टूबर 2023षष्ठी का श्राद्धः 4 अक्टूबर 2023सप्तमी का श्राद्धः 5 अक्टूबर 2023अष्टमी का श्राद्धः 6 अक्टूबर 2023नवमी का श्राद्धः 7 अक्टूबर 2023दशमी का श्राद्धः 8 अक्टूबर 2023एकादशी का श्राद्धः 9 अक्टूबर 2023मघा श्राद्धः 10 अक्टूबर 2023द्वादशी का श्राद्धः 11 अक्टूबर 2023त्रयोदशी का श्राद्धः 12 अक्टूबर 2023चतुर्दशी का श्राद्धः 13 अक्टूबर 2023सर्वपितृ मोक्ष अमावस्याः 14 अक्टूबर 2023

संपादकीय

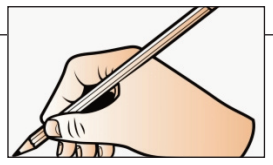

मणिपुर का चीरहरण

द्वापर युग में पांडवों की धर्मपत्नी द्रौपदी का चीरहरण नहीं किया जा सका, क्योंकि श्रीकृष्ण ने अपनी माया से उन्हें बेइज्जत होने से बचा लिया था, लेकिन कलियुग के मणिपुर में कोई 'कृष्ण' नहीं बन पाया, नतीजतन 3 महिलाओं को निर्वस्त्र कर सार्वजनिक तौर पर घुमाया गया और एक 21 साला युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। यह है नए भारत के एक राज्य की सोच की एक बानगी ! यह घिनौनी हरकत और जघन्य आपराधिक घटना बीती 4 मई की है और हम 21 जुलाई को विश्लेषण कर रहे हैं, क्योंकि देश के प्रधानमंत्री तक को इस शर्मनाक, अमानवीय, अश्लील घटना की जानकारी नहीं थी। उनके बयान से साफ है कि इस घटना ने उन्हें अभी पीड़ित और क्रोधित किया है। हालांकि हम यह मानने को तैयार नहीं हैं कि प्रधानमंत्री को ऐसी वारदात का इल्म नहीं होगा। कमोबेश भाजपाई मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने ब्रीफ किया होगा ! खुफिया एजेंसियों के जो प्रमुख नियमित तौर पर प्रधानमंत्री को ब्रीफ करते रहते हैं, क्या उन्हें ऐसी खौफनाक घटना की जानकारी नहीं थी ? तो फिर मणिपुर सरीखे अशांत और हिंसा से जल रहे राज्य में खुफिया-तंत्र क्या कर रहा है ? मणिपुर की राज्यपाल भी महिला और केंद्र की प्रतिनिधि हैं। क्या उन तक भी ऐसे भीडक़ांड की भनक तक नहीं पहुंची, क्योंकि औरतों के साथ ऐसा पाशविक सलूक, राज्य की राजधानी इंफाल से, 40-45 किलोमीटर दूर ही किया गया था ? अकर्मण्यता की पराकाष्ठा है कि बीती 4 मई को घटना हुई, लेकिन 18 मई को जीरो प्राथमिकी दर्ज की गई और फिर 21 जून को नियमित प्राथमिकी दर्ज हुई, लेकिन 19 जुलाई तक सन्नाटा पसरा रहा। मुख्यमंत्री की सफाई है कि ऐसे ही 100 केस मणिपुर में हुए हैं, इसलिए इंटरनेट बंद करना पड़ा है। एक ही केस की बात न करें, जमीनी हकीकत को देखें। बहरहाल ट्विटर के जरिए यह वीडियो सामने आया, तो सिर्फ हैवानियत और दरिंदगी ही निर्वस्त्र नहीं हुई, सब कुछ बेनकाब हो गया। हम शुक्रगुजार हैं कि देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ के संज्ञान में यह अश्लील वीडियो आया और उन्होंने इसे संवैधानिक, मानवाधिकारों का हनन माना। वह भी क्षुब्ध हुए, क्योंकि एक लोकतांत्रिक देश में ऐसी 'राक्षसी हरकतें' स्वीकार्य नहीं हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

होटल व्यवसायी देव रतूड़ी को इंद्रमणि बडोनी सम्मान

नई टिहरी। स्व. इंद्रमणि बडोनी कला एवं साहित्य मंच घनसाली ने ग्राम सभा केमर सौड़ के मूल निवासी चीन में मशहूर होटल व्यवसायी को इंद्रमणि बडोनी के स्मृति चित्र और शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने युवाओं को मशहूर होटल व्यवसायी से प्रेरणा लेने को कहा। घनसाली के केमर सौड़ गांव निवासी देव रतूड़ी चीन में एक मशहूर होटल व्यवसायी है,उनकी प्राथमिक शिक्षा दीक्षा केमर सौड़ में हुई। वर्ष 1993 में रोजगार की तलाश में बाहर चले गये, वर्ष 1998 में उन्होंने मुंबई में मार्शल ऑफ आट्र्स सीखा,जिसके बाद दिल्ली में मार्शल आर्ट विद्यालय खोला। वर्ष 2005 में वह चीन चले गये, जहां उन्होंने होटल में वेटर की नौकरी की। वर्ष 2013 में उन्होंने चीन में एक होटल खोला,कड़ी मेहनत कर आज चीन में उनके सात होटल हैं।

जिनमें वह उत्तराखंड के लोगों को होटल में रोजगार देने का काम कर रहे हैं। इंद्रमणि बडोनी कला एंव साहित्य मंच के संरक्षक केसर सिंह रावत ने बताया कि देव रतूड़ी होटल व्यवसाय के साथ साथ 40 से अधिक चाइनीज फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। साथ ही चीन की कक्षा सात की किताब में उनके बारे में भी पढ़ाया जाता है। उन्होंने बताया कि देव रतूड़ी ने कठिन परिश्रम और संघर्षों से यह मुकाम हासिल किया है,युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। मौके पर कवि बेलीराम कंसवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता लोकेंद्र दत्त जोशी, विजयचंद रमोला, रामेश्वर प्रसाद बडोनी, किशन सिंह नेगी, लोकेंद्र रावत, शैलेंद्र गौराला, रघुवीर सिंह रावत, महेश्वर सेमवाल, विकास सेमवाल, अनिल चौहान, बालगोविंद रतूड़ी, प्रकाश बिज्लवाण, अनुज, अशुतोष बिष्ट, बॉबी प्रकाश श्रीवाल, राजपाल नेगी,केशव पुर्वाल, मक्खन राणा, जेडी ढौंडियाल, तेजराम सेमवाल आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कूड़ा उठाने का शुल्क बढ़ाने का किया विरोध

नई टिहरी। माकपा के राज्य कमेटी के सदस्य भगवान सिंह राणा ने नगरपालिका परिषद नई टिहरी के द्वारा घरों से कूड़े के निस्तारण का शुल्क सीधे 30 से 50 रुपये बढ़ाये जाने पर विरोध दर्ज किया है। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि शुल्क में करीब 70 प्रतिशत की एकमुश्त बढ़ोतरी करने का निर्णय गैर तार्किक और अयथार्थ वादी है। इसलिए अस्वीकार्य भी है। माकपा पार्टी का कहना है कि निश्चित ही यह निर्णय पालिका परिषद की बोर्ड की बैठक में लिया गया होगा। जिसमें जनता के चुने हुए प्रतिनिधि निर्णय लेते हैं। जनप्रतिनिधि जिनको जनता के हित के लिए सदन में आवाज उठाने के लिए भेजा जाता है। उन्होंने किस आधार पर इस शुल्क बढ़ोतरी को माना है। माकपा इस बढ़ोतरी की निंदा करती है और नगरपालिका परिषद नई टिहरी से की गई बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग करती है।

शिक्षकों के स्थानांतरण पर दी विदाई

चमोली। मगनलाल शाह राजकीय महाविद्यालय मींग-नारायणबगड़ के दो प्रोफेसरों के स्थानांतरण पर छात्र संघ एवं महाविद्यालय परिवार ने उन्हें समारोह आयोजित कर विदाई दी। शुक्रवार को मगनलाल शाह राजकीय महाविद्यालय मींग-नारायणबगड़ छात्र संघ के तत्वावधान में आयोजित विदाई समारोह में प्रोफेसर डॉ हरीश जेटली और डॉ संदीप शर्मा को छात्र-छात्राओं,महाविद्यालय परिवार,समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों ने उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्राचार्य बीरेंद्र सिंह , पंडित रजनीश सती, प्रोफेसर सूरजमणी कुडियाल, प्रोफेसर सिमरन बब्बर, प्रोफेसर विपिन बंसल, प्रोफेसर रंजीत सिंह,छासंअ रिया, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि मनोहर परिहार, गणेश कालसी,साक्षी आदि मौजूद थे।

देवराज को मिली ओम छात्र संगठन की जिम्मेदारी

उत्तरकाशी। ओम छात्र संगठन ने नवीन कार्यकारिणी का गठन करते हुए देवराज बिष्ट को पुनः अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। इस मौके पर संगठन के संस्थापक अमरीकन पुरी ने छात्रों संग छात्र संघ की चुनाव को लेकर चर्चा की और उनको अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की बात कही। शुक्रवार को नगर पालिका सभागार में ओम छात्र संगठन की एक बैठक आहुत हुई। बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें कैलाश प्रजापति को जिला उपाध्यक्ष, चुनाव प्रभारी दीपक भट्ट,जिला महासचिव ऋतिक गुसाईं, सह सचिव आशीष नेगी, कोषाध्यक्ष अभिषेक राणा, मीडिया प्रभारी सुमेर मटूडा,संयोजक हरीश पयाल,सह संयोजक कृष्णपाल मटूडा,नगर अध्यक्ष सतेंद्र, नगर उपाध्यक्ष अंकित राणा,नगर महासचिव आजाद चौहान सहित सह सचिव- रजनीश आर्य, नगर कोषाध्यक्ष शुभम गुनसोला, नगर संयोजक सौरभ राणा, नगर सह संयोजक मयंक भंडारी के साथ ही सत्यम रावत को कालेज अध्यक्ष, अतुल राणा को उपाध्यक्ष, गोविंद कुमार को महासचिव बनाने के साथ ही संकाय प्रतिनिधियों को जिम्मेदारी सौंपी। इस अवसर पर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष आदित्य चौहान, वरिष्ठ नेता हितेश बिष्ट आद मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 45 रोगियों का उपचार किया

उत्तरकाशी। स्वास्थ्य फाउंडेशन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खरसाड़ी द्वारा विकासखंड मोरी की न्याय पंचायत नानई के ग्राम जीवाणु देवजानी में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के डॉक्टरों द्वारा ग्राम स्तर पर 23 पुरुष 17 महिला 5 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें सभी लोगों का बीपी शुगर जांच की गई। सभी को निशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य कैंप में स्थानीय समुदाय को प्रधानमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना की जानकारियां संस्था के प्रबंधक विपिन सिंह चौहान द्वारा दी गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ग्राम स्तर पर सभी बच्चों का टीकाकरण किया गया।इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ आभा विद्वान, प्रियंका, नामलेन सिंह, आशा फैसिलिटेटर वृंदा, मोरी स्वास्थ्य फाउंडेशन से सीमा, कुमारी पुष्पा आदि थे।

महाविद्यालय के समर्थ पोर्टल को खोलने की मांग

उत्तरकाशी। महाविद्यालय में प्रवेश के लिए वंचित छात्र छात्राओं को प्रवेश देने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की पुरोला इकाई ने टिहरी गढ़वाल के विभाग संयोजक राकेश नेगी के नेतृत्व में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एके तिवारी के माध्यम से श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन भेजकर महाविद्यालय के समर्थ पोर्टल को खोलने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तराखंड की भौगोलिक विषम परिस्थिति है, जहां कई क्षेत्र ऐसे हैं कि नेटवर्क की सुविधा नहीं है जिससे कि छात्रों को सूचना नहीं मिल पाई है ज्ञापन में कहा गया है कि पहाड़ी क्षेत्रों में मई व जून अधिक वर्षा होती है जिससे नेटवर्क सहित आवागमन के मार्ग भी बाधित रहते हैं। जिससे कि छात्रों को सही समय पर सूचना नहीं मिल पाई और क्षेत्र के अधिकांश छात्र प्रवेश से वंचित रह गए हैं। कहा गया है कि रजिस्ट्रेशन से वंचित छात्रों को पुनः रजिस्ट्रेशन करने के लिए महाविद्यालय के समर्थ पोर्टल को पुनः खोला जाय जिससे कि छात्र रजिस्ट्रेशन कर सकें। ज्ञापन में राकेश नेगी, अनुज खत्री, मामराज, अजय, नीतीश आदि लोगों के हस्ताक्षर हैं।

डीएम ने किया आरटीओ का जवाब तलब

पौड़ी। जिला स्तरीय सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ने ड्रंक एंड ड्राइविंग के महज छह चालान करने पर परिवहन विभाग को जमकर फटकार लगाते हुए आरटीओ का जवाब भी तलब किया। डीएम डा. आशीष चौहान की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट में जिला स्तरीय सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीएम डा. आशीष चौहान ने कहा कि संबंधित अफसरो को एक महीने के भीतर सरकारी व गैर सरकारी वाहनों पर ड्रंक एंड ड्राइव के मामले में 50 चालान करने का लक्ष्य सौंपा था। लेकिन परिवहन विभाग ने महज 6 चालान ही किए गए। जिस पर डीएम डा. चौहान ने परिवहन विभाग को जमकर फटकार लगाई। साथ ही उन्होंने आरटीओ अनीता चंद का जवाब तलब किया। बैठक में बताया गया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा साल 2013 से लेकर जून 2023 तक जिले में सडक़ दुर्घटनाओं पर एक जीआईएस मैप व दुर्घटनाओं पर गहनता से अध्ययन किया गया। जिसकी रिपोर्ट विभाग को डीएम को प्रस्तुत की। बताया कि इन 10 सालों में कुल 202 दुर्घटनाएं हुई हैं। जिसमें से 186 की मृत्यु जबकि 639 घायल हुए। जिले में इन दस सालों में हुए दुर्घटनाओं की रिपोर्ट जल्द शासन को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए व संवेदनशील स्थानों पर निगरानी के लिए जीआईएस मैपिंग की जाएगी। कहा कि यह एक भरोसेमंद और प्रभावी तकनीक है। ह जून में जी-20 व कांवड़ ड्यूटी के कारण पुलिस विभाग द्वारा एमवी एक्ट के तहत की जाने वाली कार्यवाही में कमी आयी है। कहा कि चालानी कार्यवाही में 15 दिन के भीतर पुनः प्रगति लायी जाएगी। बैठक में अधीक्षण अभियंता लोनिवि पीएस बृजवाल, अधिशासी अभियन्ता लोनिवि डीपी नौटियाल, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी अनीता चंद, ईओ नगर पालिका परिषद पौड़ी गौरव भसीन आदि शामिल रहे।

मानसून में आपदा से निपटने को सतर्क रहें : डॉ अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी। कैबिनेट और प्रभारी मंत्री डॉ प्रेमचन्द अग्रवाल ने आपदाओं से निपटने के लिए अधिकारियों को निरंतर सतर्क और सक्रिय रहकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने आपदा प्रभावितों को जल्द राहत पहुंचाने का काम प्राथमिकता के साथ करने को कहा। अग्रवाल ने बांध प्रभावित जोशियाड़ा में जलभराव की समस्या का तात्कालिक समाधान के लिए मौके पर आपदा प्रबंधन सचिव से फोन कर जरूरी उपाय के निर्देश दिए। साथ ही बैठक से नदारद ऊर्जा निगम बडक़ोट का स्पष्टीकरण तलब किया। दो दिवसीय भ्रमण पर उत्तरकाशी पहुंचे प्रभारी मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने शुक्रवार को एनआईएम स्थित हॉल में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आपदा कार्यों की समीक्षा बैठक करते हुए जिले में आपदा से हुए नुकसान की जानकारी ली। अग्रवाल ने कहा कि जिले में जितनी भी सडक़ें बंद पड़ी हैं उनको तत्काल खोलें। खासकर कई दिनों से बाधित आराकोट चिवां मोटरमार्ग को तत्काल खोलने को कहा। क्षतिग्रस्त पेयजल लाईनों की मरम्मत का का जल्द पूरा करने की हिदायत दी। बिजली की सुचारू आपूर्ति पर जोर दिया। कहा कि एक सप्ताह के बाद आपदा कार्यों की समीक्षा की जाएगी। गंगोत्री धाम में पेयजल आपूर्ति सुचारू बनाए रखने सहित दूरस्थ पिलंग-जौड़ाऊ गाँव के बीच पुलिया के बह जाने से बाधित संपर्क को बहाल करने के उपाय सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बैठक में अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड बडक़ोट की अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण माँगते हुए कहा कि मानसूनकाल में सभी अधिकारी अपने मुख्यालय पर रहकर 24 घंटे मोबाईल हमेशा खुले रखें।

बैठक में विधायक गंगोत्री सुरेश चौहान, डीएम अभिषेक रूहेला, एसपी अर्पण यदुवंशी, सीडीओ गौरव कुमार, एडीएम तीर्थपाल सिंह, एसडीएम चतर सिंह चौहान, एसडीएम डुंडा मीनाक्षी पटवाल, डीएफओ डीपी बलूनी, उप निदेशक रंगनाथ पाण्डेय, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल आदि थे।

इस वर्ष ये हुआ नुकसान

बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिले में विभिन्न घटनाओं में कुल 8 व्यक्तियों की मृत्यु हुई। 6 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए थे। आपदा के कारण 2 भवन पूर्ण रूप से, 8 मकान तीक्ष्ण रूप से तथा 113 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। दो गोशालाओं को भी नुकसान पहुंचा है और 38 छोटे व 13 बड़े पशुओं की मुत्यु हुई। अधिकांश मामलों में प्रभावित को तत्काल राहत राशि उपलब्ध कराई गई है।

भूस्खलन प्रभावित जोनों का निरीक्षण किया

अपने भ्रमण के दौरान कैबिनेट मंत्री अग्रवाल ने विधायक और डीएम के साथ मनेरा बाईपास, दिलसौड़ मार्ग, मातली, चामकोट, बंदरकोट, रतूड़ीसेरा, धरासू आदि भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर प्रशासन एवं सीमा सडक़ संगठन के अधिकारियों से इन भूस्खलन क्षेत्रों के उपचार के बारे में जानकारी ली। श्री अग्रवाल ने धरासू बैंड में रात में पत्थरो अवैध चुगान किए जाने के संबंध में स्थानीय लोगों की शिकायत पर उपजिलाधिकारी को औचक निरीक्षण कर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

जौनसार बावर के 32 मार्गों पर यातायात रहा ठप

विकासनगर। कालसी चकराता स्टेट हाईवे पर जजरेट के पास मलबा आने से मार्ग शुक्रवार सुबह करीब दो घंटे बंद रहा। लोनिवि ने जेसीबी लगाकर मार्ग से मलबा हटवाया। जिसके बाद मार्ग पर यातायात सुचारु हो पाया। वहीं जौनसार बावर के क्षेत्र के 31 अन्य मोटर मार्ग भी बंद रहे। इनमें देर शाम तक कुछ ही मार्गों पर यातायात बहाल हुआ, जबकि कई मार्ग अब भी खोले जाने बाकी हैं। कालसी चकराता मोटर मार्ग पर आठ बजे के करीब मलबा आने के बाद मार्ग दस बजे तक बंद रहा। इस दौरान मार्ग पर दोनों ओर से वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। उमस भरी गर्मी के मौसम में लोग वाहनों की आवाजाही न होने से परेशान रहे। इस दौरान लोगों को पीने के लिए पानी तक नहीं मिला। दस बजे मार्ग खुलने के बाद क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही शुरू हो पायी। उधर, जौनसार बावर के ग्रामीण इलाकों को जोडने वाले 31 मोटर मार्ग भी दिनभर बंद रहे। पहाडियों का मलबा आने से बंद रहे मार्गों में फेडिज सनैल, पुरोडी रावना डामटा, मखटी पोखरी ककनोई टिपराड, बिरमऊ, निनूस मोटर मार्ग, लोखंडी पिपारा मीनस, राठू गुठाड, बागिया दाडू, रोहटा खड्ड अटाल, टुगरा, डियाडिलानी ढलीन सकरौला, निछिया पिहानी, हमरऊ ललऊ दातनू बडनू, बिजऊ क्वैथा, अइया अलसी, सराडी, पंजिटिलानी जंदेऊ सुपऊ केशऊ, साहिया क्वानू तारली, इच्छला फडेऊ, कालसी चकराता रानी गांव, लेल्टा, मेघाटू कुलहा शेडिया, प्यूनल, पंजिटिलानी सुरियो भंजरा, खमरौली, पुरटाड, कोठा सैंज चंदेऊ, लाखामंडल नाडा, जगथान, दमन दसेऊ, परिहार सिमोग, लेल्टा आदि मार्गों पर पहाडियों से मलबा आने के कारण मार्ग बंद रहे। हालांकि देर शाम को कुछ मार्गों को लोनिवि ने यातायात के लिए खोल दिया। लेकिन तब तक लोग अपने गांवों को पहुंच चुके थे।

बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे मागटी गांव के ग्रामीण

विकासनगर। हाल के दिनों हो रही भारी वर्षा से जहां सभी स्रोत नदी नाले खाले उफान पर हैं, लेकिन मागटी के ग्रामीण पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। पूरा गांव पेयजल के लिए एक हैंडपंप पर निर्भर है। लोगों ने जल संस्थान व निगम कर अधिकारियों पर उनकी सुध नहीं लेने का आरोप लगाया है। ग्रामीण पुरोड़ी छुटऊ तोक समूह पेयजल योजना व सवाई डांडा पेयजल योजना में पानी न आने से परेशान हैं। ग्रामीणों ने जल संस्थान व जल निगम के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीण गम्भीर सिह चौहान, अमर सिह, सोनू खन्ना, सुनील चौहान, प्रवीन खन्ना, सजीता देवी, अरविंद राणा, अनिता, तनीष, आदि का कहना है की पिछले चार दिनों से गांव को जलापूर्ति करने वाली दोनों पाईप लाइनों से पानी नहीं आ रहा है। इसकी शिकायत जल निगम व जल संस्थान के अधिकारियों को कर चुके हैं, लेकिन वह ग्रामीणों की सुध नही ले रहे हैं। पेयजलापूर्ति बाधित होने के कारण क्षेत्र की एक हजार की आबादी को पानी व कपड़े आदि धोने के लिए गांव से एक किलोमीटर दूर स्थित स्रोत पर जाना पड़ रहा है। कहा हैंडपंप पर लम्बी लाइन लगती है जहां से पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल में चारों ओर पानी ही पानी है, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही से ग्रामीण पेयजल के लिये परेशान हैं। जल संस्थान के अवर अभियंता पुष्कर सिंह का कहना है कि जल्द कर्मचारियों को मौके पर भेजकर जलापूर्ति सुचारु कराई जायेगी।

बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे मागटी गांव के ग्रामीण

विकासनगर। हाल के दिनों हो रही भारी वर्षा से जहां सभी स्रोत नदी नाले खाले उफान पर हैं, लेकिन मागटी के ग्रामीण पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। पूरा गांव पेयजल के लिए एक हैंडपंप पर निर्भर है। लोगों ने जल संस्थान व निगम कर अधिकारियों पर उनकी सुध नहीं लेने का आरोप लगाया है। ग्रामीण पुरोड़ी छुटऊ तोक समूह पेयजल योजना व सवाई डांडा पेयजल योजना में पानी न आने से परेशान हैं। ग्रामीणों ने जल संस्थान व जल निगम के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीण गम्भीर सिह चौहान, अमर सिह, सोनू खन्ना, सुनील चौहान, प्रवीन खन्ना, सजीता देवी, अरविंद राणा, अनिता, तनीष, आदि का कहना है की पिछले चार दिनों से गांव को जलापूर्ति करने वाली दोनों पाईप लाइनों से पानी नहीं आ रहा है। इसकी शिकायत जल निगम व जल संस्थान के अधिकारियों को कर चुके हैं, लेकिन वह ग्रामीणों की सुध नही ले रहे हैं। पेयजलापूर्ति बाधित होने के कारण क्षेत्र की एक हजार की आबादी को पानी व कपड़े आदि धोने के लिए गांव से एक किलोमीटर दूर स्थित स्रोत पर जाना पड़ रहा है।

इफको नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के महत्व पर हुई गोष्ठी

विकासनगर। सहकारी संस्था इफको और साहिया सहकारी समिति के सहयोग से इफको नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के महत्व पर शुक्रवार को गोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान दानेदार यूरिया के अंधाधुंध उपयोग से खराब हो रही मिट्टी, भूमिगत जल और पर्यावरण को हो रहे नुकसान के बारे में जानकारी दी गयी।

साहिया सहकारी किसान समिति के परिसर में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कृषि विज्ञान केंद्र ढकरानी के प्रभारी डॉ. एके शर्मा ने कहा कि किसान परंपरागत खेती के तौर-तरीकों के स्थान पर नवीनतम कृषि तकनीक का उपयोग करें, जिससे उनकी खेती की लागत कम होगी और आमदनी में वृद्धि होगी। कहा कि उत्पादन बढ़ेगा। कहा कि किसान रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करते हुए नवीनतम तकनीक पर आधारित वैकल्पिक उर्वरक ,नैनो यूरिया ,नैनो डीएपी ,जैव उर्वरक, जल विलय उर्वरक आदि का उपयोग सही तरीके से करें। कहा यदि सही तरीके से करते हैं तो कम लागत के साथ उत्पादन में कम से कम 25त्न तक की वृद्धि हो सकती है। इफ्कों के क्षेत्राधिकारी देहरादून विनोद कुमार जोशी ने कहा कि इफ्को नैनो तकनीक पर आधारित नैनो उर्वरक इफ्को नैनो यूरिया लाया है। जिसकी मात्र पांच सौ एमएल की बोतल 45 किलो यूरिया के बराबर असरदार होती है।

कहा कि किसानों को मिट्टी की जांच के आधार पर ही रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि केंद्र सरकार रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने व वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने के लिए पीएम प्रणाम योजना लाई गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य खेती में रासायनिक उर्वरकों की निर्भरता को कम करना है। राज्य विपणन प्रबंधक इफ्को राकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यदि हम कृषि में नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हैं तो कृषि को एक लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सकता है। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी कृषि सेवा मनोज सिंह दानू, सहकारी समिति सचिव साहिया रणवीर सिंह, अध्यक्ष टीकम सिंह तोमर, किसान मंजीतसिंह, गजेंद्र सिंह, सुनीता देवी, भोपाल सहित कई किसान मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

मणिपुर की घटना पर आक्रोशित युकां का प्रदर्शन

पौड़ी। युवा कांग्रेस ने मणिपुर की घटना पर गृहमंत्री अमित शाह और नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान आक्रोशित युवा कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। शुक्रवार को डीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस आशीष नेगी व जिला अध्यक्ष मोहित सिंह ने कहा कि एक तरफ देश के प्रधानमंत्री बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की बाते करते हैं वहीं दूसरी ओर मणिपुर में बीते कई महीनों से चल रही हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। जिस देश मे नारी की पूजा की जाती है वहीं मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया जाना बेहद, शर्मनाक और बीभत्स घटना है। कहा कि गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप्पी साधे हुए हैं। मौके पर अंकित सुंदरियाल, छात्रसंघ सचिव मुकुल कुमार, अमन नेगी ,हिमांशु रावत, शुभम रावत, सोनू, आशु पंवार, अभय कुमार, आर्यन कुमार आदि शामिल रहे।

जयहरीखाल ब्लाक के कई गांवों में पेयजल संकट

पौड़ी। भारी बारिश से जयहरीखाल ब्लाक के करीब एक दर्जन गांवों में पेयजल संकट खड़ा हो गया है। पेयजल की आपूर्ति ग्रामीणों को प्राकृतिक स्रोतों से करनी पड़ रही है। बारिश के कारण इस क्षेत्र को पानी की सप्लाई करने वाली योजना क्षतिग्रस्त हो गई है। ब्लाक के कोटा, तोली, पास्ता, मोली, दुधारखाल, बबीना, कंडिया, कोटा तल्ला आदि गांवों में बीते दो सप्ताह से पेयजल की यह समस्या बनी हुई है। जिससे ग्रामीणों को पेयजल किल्लत से दो चार होना पड़ रहा है। बीजेपी मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बिष्ट और युवा मोर्चा अध्यक्ष विजय भट्ट ने बताया कि पिछले 15 दिनों से दुधारखाल क्षेत्र के गांव में पानी की समस्या है। ग्रामीणों को कई किलोमीटर पैदल चलकर जल स्रोतों से पानी लेकर लौटना पड़ रहा है। इस संबंध में जल संस्थान के अधिकारियों को सूचित किया गया, लेकिन अधिकारी बारिश का बहाना बना रहे है। जिस कारण अभी तक समस्या हल नहीं हो सकी है। इधर, जल संस्थान कोटद्वार ईई एसके उपाध्याय ने बताया कि पाइपलाइन लगातार हो रही बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है। मौके पर संबंधित अभियंता को भेजा गया है। पाइपलाइन को ठीक कर जल्द ही पेयजल आपूर्ति को बहाल कर दिया जाएगा।

थलीसैंण के रौली गांव में बादल फटने से नुकसान

पौड़ी। भारी बारिश से गुरुवार की देर रात को थलीसैंण के रौली गांव में बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है। बारिश से 1 गोशाला पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। साथ ही मोटरपुल टूटने से आवाजाही भी बंद हो गई है। हालांकि घटना से कोई जनहानि नहीं हुई है। क्षेत्र के राजस्व उपनिरीक्षक आनंदपाल ने बताया कि बादल फटने से रौली गांव में चंदन सिंह की गोशाला पूर्णरूप से क्षतिग्रस्त हो गई। जिसमें 2 बैल व 1 बकरी की मौत हो गई। साथ ही पीठसैंण-बूंगीधार मोटरमार्ग पर बगवाड़ी के पास लोनिवि के मोटरपुल के दोनों तरफ की दीवारें, पीलर टूटने से क्षतिग्रस्त हो गई। जिस पर जिला प्रशासन ने यहां पर वाहनों व पैदल आवाजाही पूर्णरूप से बंद कर दी है। उन्होंने बताया कि लोनिवि द्वारा उक्त स्थान पर पैदल वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जा रहा है। बादल फटने से कृषि भूमि को भी क्षति पहुंची है। क्षति का विस्तार से संवेक्षण किया जा रहा है। इधर, डीएम डा.आशीष चौहान ने बताया कि संबंधित डीएम व अफसरो को क्षेत्र में राहत बचाव कार्य में तेजी लाते हुए ग्रामीणों को सभी व्यवस्थांए देने के निर्देश दिए है।

डोईवाला में इंटीग्रेटेड टाउनशिप के विरोध में उतरे लोग

ऋषिकेश। डोईवाला में लगातार नई इंटीग्रेटेड टाउनशिप योजना का विरोध जारी है। शुक्रवार को जीवनवाला में ग्रामीणों ने बैठक कर इस योजना के विरोध में प्रस्ताव पारित किया। शुक्रवार को ग्राम सभा जीवनवाला के अंतर्गत फतेहपुर ग्राम पंचायत भवन में खुली बैठक का आयोजन हुआ। ग्राम प्रधान परमजीत कौर ने कहा कि समाचार पत्रों से पता चल रहा है कि डोईवाला में इंटीग्रेटेड टाउनशिप का कार्य सरकार द्वारा प्रस्तावित है। कहा कि किसी भी हाल में यहां नया शहर नहीं बसने देंगे। इंटीग्रेटेड टाउनशिप के लिए क्षेत्र के लोग अपनी जमीन नहीं देंगे। ग्रामीणों ने कहा कि अगर सरकार जबरन इस योजना की धरातल पर उतारती है तो इसका विरोध कर उग्र आंदोलन किया जाएगा। बैठक में ग्राम जीवन वाला, फतेहपुर टांडा, माजरी ग्रांट, शेरगढ़ व आसपास के ग्रामीणों ने शिरकत की। सभी ने डोईवाला में इंटीग्रेटेड टाउनशिप के विरोध में प्रस्ताव पारित किया। बैठक में डोईवाला कनिष्ठ प्रमुख विनोद राणा, पूर्व प्रधान सुंदर दास, पूर्व प्रधान इंदरजीत सिंह, गुरजीत सिंह लाडी, सुंदरलाल बिजल्वान, हरिकृष्ण बिजल्वान, हरकमल सिंह, पूर्व प्रधान ताजेंद्र सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य नसीब कौर, कमलजीत कौर, वीरेंद्र, राजेंद्र, ओमप्रकाश करणपाल आदि उपस्थित रहे।

बैराज रोड पर गड्ढे ही गड्ढे, हादसे का खतरा

ऋषिकेश। पीडब्ल्यूडी की बैराज रोड दो दफा बनने के बाद भी टिक नहीं पा रही है। सडक़ कहीं धंस रही है, तो कहीं बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे वाहन सवारों को सडक़ से गुजरते वक्त हादसे का खतरा सता रहा है। बावजूद, लापरवाह अधिकारी कार्रवाई की बजाए खामोश नजर आ रहे हैं। शायद उन्हें इस सडक़ पर किसी बड़े हादसे का इंतजार है। नेशनल हाईवे से एम्स, बैराज और आईडीपीएल को जोडने वाली सडक़ सीवर लाइन बिछाने के बाद दो बार बन चुकी है। इस पर हाल ही में दो करोड़ रुपये सरकार ने खर्च किए हैं। जिम्मेदार पीडब्ल्यूडी के अधिकारी सडक़ पर डामर की परत-दर-परत तो बिछा रहे हैं, मगर सडक़ की मजबूती को लेकर उनकी भूमिका संदेह के घेरे में है। आधा दर्जन से ज्यादा स्थानों पर सडक़ पर कई-कई फीट गहरे गड्ढे हो गए हैं। कुछ स्थानों पर सडक़ धंस गई है, जिससे वाहन अनियंत्रित हो रहे हैं। अधिशासी अभियंता धीरेंद्र कुमार ने बताया कि सडक़ पर अभी पेटिंग कराई थी।। कुछ स्थानों गड्ढों की मरम्मत भी की गई है। बावजूद फिर से ऐसी ही स्थिति बन रही है, तो सडक़ को ठीक कराया जाएगा। बताया कि सीवर लाइन की वजह से यह दिक्कतें पैदा हो रही हैं।

कांवड़ मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जवानों को नवाजा

ऋषिकेश। एसडीआरएफ मुख्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कांवड़ मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जवानों को सम्मानित किया गया। शुक्रवार को जौलीग्रांट स्थित एसडीआरएफ मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने कांवड़ मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एसडीआरएफ कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि एसडीआरएफ ने कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न कराने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संवेदनशील स्थानों पर नियुक्त कर्मियों ने कांवडियों को रेस्क्यू कर कई लोगों को जीवनदान दिया है। कांवड़ मेले से इन्हें भीड़ नियंत्रण का सर्वोत्तम व्यावहारिक ज्ञान मिल गया है। उन्होंने मुख्यालय से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उत्तराखंड के एसडीआरएफ पोस्टों पर उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों का मासिक सम्मेलन किया। कहा कि एसडीआरएफ की समस्त टीमें रेस्क्यू उपकरणों के साथ एक्टिव मोड़ पर मौजूद है। उन्होंने सभी को निर्देशित किया कि सभी यह प्रयास करें कि अनावश्यक रूप से अवकाश का प्रयोग न हो। केवल विशेष परिस्थितियों में ही अवकाश लिया जाए।